RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14, अंक - 28 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 11 नवंबर 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

बोले पीएम मोदी- अब भारत रुक-रुककर नहीं चलेगा, दुनिया में हमारी अलग पहचान

बेंगलुरु (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनावी दौरे के बाद आज कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु पहुंचे जहां उन्होंने केएसआर रेलवे स्टेशन पर पांचवीं वंदे भारत एक्सप्रेस व भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद पीएम मोदी ने केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट की प्रतिमा का अनावरण भी किया। इसके बाद पीएम मोदी ने एक जनसभा को भी संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि भारत अब रुक-रुककर नहीं चलने वाला है। भारत अब तेज दौड़ना चाहता है। दुनिया में हिंदुस्तान की एक अलग पहचान बनी है। आने वाले 8-10 सालों में हम भारतीय रेल के कायाकल्प को बदलने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

आज शुरू हुई वंदे भारत एक्सप्रेस केवल एक ट्रेन नहीं बल्कि ये नए भारत की नई पहचान

पीएम मोदी ने कहा कि आज शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन केवल एक ट्रेन नहीं है बल्कि ये नए भारत की नई पहचान है। 21वीं सदी में भारत की ट्रेन कैसी हो, ये उसकी एक झलक है। वंदे भारत एक्सप्रेस इस बात का प्रतीक है कि भारत अब रूक-रूक चलने वाले दिनों को पीछे छोड़ चुका है।

आज पूरी दुनिया में, भारत में निवेश के लिए अभूतपुर्व विश्वास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में, भारत में निवेश के लिए जो अभूतपुर्व विश्वास बना है उसका बहुत बड़ा लाभ कर्नाटक को भी मिल रहा है। पिछले तीन साल जब पूरी दुनिया कोरोना से प्रभावित रही तब कर्नाटक में लगभग 4 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान स्टार्ट अप्स के लिए है और भारत की इस पहचान को सशक्त करने में बड़ी भूमिका बेंगलुरु की है। स्टार्ट अप्स सिर्फ एक कंपनी भर नहीं होता है। स्टार्ट अप्स एक विश्वास होता है, हर उस चुनौती के समाधान का जो देश के सामने है।

रिहा होंगे राजीव गांधी के हत्यारे

एससी ने दिए नलिनी समेत सभी 6 दोषियों को छोड़ने के आदेश

देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री थे राजीव गांधी

1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने। लोकसभा चुनावों में कांग्रेस तीन-चौथाई सीटें जीतने में कामयाब रही थी। उस समय कांग्रेस ने 533 में से पार्टी ने 414 सीटें जीतीं। राजीव जब प्रधानमंत्री बने, तब उनकी उम्र महज 40 साल थी। वे देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल में स्कूलों में कंप्यूटर लगाने की व्यापक योजना बनाई। राजीव गांधी के कार्यकाल में ही जवाहर नवोदय विद्यालय स्थापित हुए। गांव-गांव तक पीसीओ के जरिए टेलीफोन पहुंचे।

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी की हत्या के मामले में जेल में बंद सभी 6 दोषियों को रिहा करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने साफकर दिया है कि अगर इन दोषियों पर कोई अन्य मामला नहीं है, तो इन्हें रिहा कर दिया जाए. सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि लंबे समय से राज्यपाल ने इस पर कदम नहीं उठाया तो हम उठा रहे हैं. कोर्ट ने कहा कि इस मामले में दोषी करार दिए गए पेरारिवलन की रिहाई का आदेश बाकी दोषियों पर भी लागू होगा. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस साल मई में पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया था।

ये 6 दोषी होंगे रिहा

राजीव गांधी हत्याकांड में नलिनी, रविचंद्रन, मुरुगन, संथन, जयकुमार, और रॉबर्ट पॉयस को रिहा करने के आदेश दिया है. पेरारिवलन पहले ही इस मामले में रिहा हो चुके हैं. सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई को जेल में अच्छे बर्ताव के कारण पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया था. जस्टिस एल नागेश्वर की बेंच ने आर्टिकल 142 का इस्तेमाल करते हुए यह आदेश दिया था.

31 साल पहले हुई थी राजीव गांधी की हत्या

21 मई 1991 को एक चुनावी रैली के दौरान तमिलनाडु में एक आत्मघाती हमले में राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी. इस मामले में पेरारिवलन समेत 7 लोगों को दोषी पाया गया था. टाडा अदालत और सुप्रीम कोर्ट ने पेरारिवलन को मौत की सजा सुनाई थी. हालांकि, बाद में सुप्रीम कोर्ट ने दया याचिका के निपटारे में देरी के आधार पर फांसी की सजा उम्रकैद में बदल दी थी.

छत्तीसगढ़ में आईटी रेडः कोयला लोहा, रियल स्टेट कारोबारियों के घरों से मिली करोड़ों की बेहिसाब संपत्ति

33 ठिकानों पर अभी भी चल रही जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयकर विभाग की छापेमार कार्रवाई में लोहा, कोयला, रियल स्टेट कारोबारियों एवं ट्रांसपोर्टरों के घरों से बेहिसाब संपत्ति मिली है। वहीं कई शेल कंपनियों का भी खुलासा हुआ है। आईटी टीम ने गुरुवार को प्रदेश में इन कारोबारियों के 33 ठिकानों पर एक साथ छापा मारा था। इस कार्रवाई में आईटी टीम को 2.5 करोड़ नकदी और 1.5 करोड़ की ज्वैलरी मिली। हिसाब नहीं देने पर आईटी अधिकारियों ने 1.5 करोड़ नकदी और 50 लाख की ज्लैवरी को जब्त कर लिया है।

6 लॉकर किया सील

आयकर विभाग से मिली जानकारी के अनुसार छापेमार कार्रवाई में रायगढ़ और सक्ती में 6 लॉकर मिले है। जिसे टीम ने सील कर दिया गया है। वहीं करोड़ों रुपए के जमीन एवं प्रॉपर्टी के दस्तावेज, निवेश के पेपर और शेल कंपनियों के दस्तावेज मिले हैं। इस समय रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, सक्ती और बाराद्वार स्थित लोहा, कोयला, रियल एस्टेट कारोबारियों और ट्रांसपोर्टरों के 33 ठिकानों पर जांच चल रही है। अन्य ठिकानों पर जांच अभी 3 दिन और चलने की संभावना जताई जा रही है। कारोबारी ब्लैकमनी को खपाने के लिए दर्जनभर शेल कंपनियों का संचालन कर रहे थे इसकी भी जानकारी मिली है।

निर्धारित स्टॉक से ज्यादा माल बरामद

आयकर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लोहा और कोयला कारोबारियों के ठिकानों में निर्धारित स्टॉक से अधिक कच्चा, अर्धनिर्मित और निर्मित माल बरामद किया गया है। जांच टीम इस समय इसका मूल्यांकन करने में जुटी हुई है। आयकर विभाग की यह जांच तीन दिन तक चल सकती है। इस दौरान कई बड़े खुलासे हो सकते हैं।

चिटफंड कंपनी फरार डायरेक्टर गिरफ्तार, राजस्थान जेल में थे बंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी की तेलीबांधा पुलिस ने यहां के एक चिटफंड कंपनी के फरार दो डायरेक्टरों को गिरफ्तार किया है। रकम दोगुनी करने का झांसा देकर राजधानी व आसपास के क्षेत्रों में 50 करोड़ से भी ज्यादा की रकम वसूलकर फरार हुए दोनों डायरेक्टर राजस्थान से गिरफ्तार हुए हैं। दोनों आरोपी डायरेक्टर राजस्थान जेल में बंद थे। रायपुर पुलिस दोनों को प्रोडक्शन वारंट पर रायपुर लेकर पहुंची है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला 2014-15 का है। गरिमा रियल इस्टेट चिटफंड कंपनी ने लोगों की रकम दोगुनी करने का झांसा देते हुए निवेश कराया था। इस तरह करीब 50 करोड़ रुपए का निवेश कराने के बाद फरार हो गए थे। इस मामले में राजधानी के अलग अलग थानों में इनके खिलाफ अपराध भी दर्ज हैं। इस मामले मे निवेशकों की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि गरिमा रियल इस्टेट चिटफंड कंपनी के दो डायरेक्टर बनवारी और विजेन्द्र पाल सिंह राजस्थान के जेल में बंद हैं। इसके बाद तेलीबांधा पुलिस की एक टीम राजस्थान पहुंची और प्रोडक्शन वारंट पर उसे गिरफ्तार कर वापस लेकर पहुंची ।3

चीन में तेजी से फैल रहा कोरोना संक्रमण चॉगकिंग में लोगों की आवाजाही पर रोक

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में कोरोना के मामले एक बार फिर से बढ़ रहे हैं। यहां के चॉगकिंग में संक्रमण तेजी से फैल रहा है। इसके बाद से चीन फिर से जीरो कोविड पॉलिसी पर उतर आया है। जानकारी के मुताबिक, कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर चॉगकिंग के लोगों को अपनी आवाजाही को कम से कम करने को कहा गया है।

चॉगकिंग के स्वास्थ्य अधिकारी ली पैन ने बताया कि यहां के निवासियों को अपनी-अपनी जगह पर रहने को कहा गया है, उनके बाहर निकलने पर मनाही है। वहीं, जो लोग बाहर हैं उन्हें भी कहा गया है कि जब तक जरूरी न हो वे यहां न आएं। बता दें, चॉगकिंग में बुधवार को कोरोना के 123 नए मामले सामने आए थे। इनके संपर्क में 633 लोग थे। एकसाथ इतनी बड़ी संख्या में सामने आए मामलों ने यहां के स्वास्थ्य अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है। इससे पहले मंगलवार तक 1109 मामलों की पुष्टि की गई थी।

अधिकारियों का कहना है कि बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सभी जरूरी कोरोना रोकथाम उपायों को लागू कर दिया गया है। नए संक्रमणों का पता लगाने के लिए सामूहिक परीक्षण किया जाएगा। वहीं, जिन 11 जिलों में कोरोना के मामले सामने आए हैं, वहां के लोगों को किसी अन्य जिले में जाने की अनुमति नहीं दी गई है।

पोलित ब्यूरो ने किया जीरो कोविड पॉलिसी का समर्थन

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरुवार को हुई बैठक में चीन की शीर्ष नेतृत्व वाली संस्था पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति ने जीरो कोविड पॉलिसी का समर्थन किया है। हालांकि शी जिनपिंग की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में देश की अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 के प्रभाव को कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

संपादकीय

ऐसी हार से आगे

टी-20 क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों भारत की करारी हार कई सवाल खड़े कर रही है और अब समय आ गया है कि भारतीय टीम के भविष्य को लेकर गंभीरता से सोचा जाए। यह सवाल बहुत मुश्किल बन गया है कि एक मजबूत टीम पिछले लगभग दस वर्षों से महत्वपूर्ण मैचों में लगातार क्यों ढेर हो जा रही है? कहने वाले दिल को सांत्वना देंगे और यह बात बहुत हद तक सही भी है कि एडिलेड में शुक्रवार को इंग्लैंड ने कुछ ज्यादा ही बेहतर प्रदर्शन किया। यह उसकी ऐतिहासिक विजय है, जिसे याद करके उसके खिलाड़ी वर्षों प्रेरणा लेंगे। हमारे पास सबक लेने के अलावा कोई चारा नहीं है। खिलाड़ी 24 बची हुई गेंदों व दस विकेट से हार को भुलाने की कोशिश करेंगे, पर भारतीय दर्शकों का मन आज बेशक भारी होगा। कहां फाइनल में खेलने और जीतने के सपने शुरू हो गए थे और कहां सेमीफाइनल में ही हार नसीब हो गई है। फिर भी, याद रखना चाहिए कि किसी हार के बाद ही किसी जीत की ललक पैदा होती है।

> “ कोहली अहम मैच में खूंटा गाड़ने के बाद 40 गेंदों में 65 रन भी बना पाते, तो मैच का रुख कुछ और होता। विश्व कप बार-बार नहीं होता, इसलिए दूसरी टीमें सेमीफाइनल, फाइनल में अपना बेहतरीन प्रदर्शन करती हैं, लेकिन भारतीय टीम को ऐसे मैचों में क्या हो जाता है? एक सफल टीम में खराब क्षेत्ररक्षकों, मौके गंवाने वालों और ऐसे खिलाड़ियों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, जो भूल जाते हैं कि क्रिकेट की दुनिया का सबसे अमीर देश और उसके लोग उनसे क्या उम्मीद करते हैं।

करारी हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा को गमगीन देखा गया है, तो यह जरूरी भी है। जब आप करोड़ों लोगों को अपने खराब प्रदर्शन से निराश करते हैं, तो क्रिकेट की भारी चकाचौंध के बीच भी हार की गंभीरता का एहसास आपको होना ही चाहिए। एक समय था, जब एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को महज 88 रन पर ऑलआउट करके 200 रनों के अंतर से हराया था, लेकिन महेंद्र सिंह धौनी के नेतृत्व वाली वही टीम ठीक एक साल बाद एकदिवसीय विश्व कप जीतने में कामयाब रही थी। अत: क्रिकेट में मिली ताजा करारी हार आगे की जीत की राह तैयार करे, तो कोई आश्चर्य नहीं। हां, अब रोहित शर्मा से आगे बढ़ने की जरूरत है। वह बेशक अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी बड़े टूर्नामेंट में भारत को फाइनल में जीत न दिला पाने की वजह से ही विराट कोहली को कप्तानी से किनारे किया गया है। एक अच्छी टीम अगर मौके पर ढेर होने के लिए कुख्यात हो जाए, तो उसमें रणनीतिक बदलाव को टाला नहीं जा सकता। क्या टीम में मनोबल की कमी है? क्या हमारे खाए-पिए-अघाए खिलाड़ी इतने निश्चिंत या आश्वस्त भाव में रहते हैं कि सबसे खास मैचों का तनाव नहीं झेल पाते हैं? उन्हें राहुल द्रविड़ जैसे कुशल मेहनती कोच के साथ-साथ मनोवैज्ञानिकों की भी ज्यादा जरूरत है। एडिलेड में जैसे इंग्लैंड जीता है, दो ही खिलाड़ी जोस बटलर (80 रन) और ऐलेक्स हेल्स (86 रन) नाबाद रहते जीत साथ ले गए हैं, इन दो खिलाड़ियों की मानसिक शक्ति, शैली और श्रम से भारतीय खिलाड़ियों को सीखना चाहिए।

युवा खिलाड़ियों में हार्दिक पण्डया को छोड़ दीजिए, तो बाकी खिलाड़ियों का कितना योगदान है? के एल राहुल, रोहित शर्मा ने तो निराश किया ही, विराट कोहली को भी सोचना होगा कि बल्लेबाजों के मुफीद पिच पर 40 गेंदों में महज 50 रन पर्याप्त नहीं हैं। कोहली अहम मैच में खूंटा गाड़ने के बाद 40 गेंदों में 65 रन भी बना पाते, तो मैच का रुख कुछ और होता। विश्व कप बार-बार नहीं होता, इसलिए दूसरी टीमें सेमीफाइनल, फाइनल में अपना बेहतरीन प्रदर्शन करती हैं, लेकिन भारतीय टीम को ऐसे मैचों में क्या हो जाता है? एक सफल टीम में खराब क्षेत्ररक्षकों, मौके गंवाने वालों और ऐसे खिलाड़ियों के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए, जो भूल जाते हैं कि क्रिकेट की दुनिया का सबसे अमीर देश और उसके लोग उनसे क्या उम्मीद करते हैं।

इजराइल में नेतन्याहू का पुनरोदय

हाल के सालों में इजराइल में जितनी फुर्ती से सरकारें बनती और बिगड़ती रही हैं, दुनिया के किसी अन्य लोकतंत्र में ऐसे दृश्य देखने को नहीं मिलते। बेंजामिन नेतन्याहू लगभग डेढ़ साल बाद फिर दुबारा प्रधानमंत्री बन गए। उनका यह पुनरोदय असाधारण हैं। वे इजराइल के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जो वहीं पैदा हुए हैं। उनसे पहले जो भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे बाहर के किन्हीं देशों से आए हुए थे। जब 1948 में इजराइल का जन्म हुआ था, तब जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका आदि कई देशों के गोरे यहूदी लोग वहां आकर बस गए थे।

उन्हीं में से एक का बेटा जो 1949 में जन्मा था, अब इजराइल का ऐसा प्रधानमंत्री है, जिससे ज्यादा लंबे काल तक कोई भी प्रधानमंत्री नहीं रहा। 47 साल की उम्र में इजराइल के प्रधानमंत्री बनने वाले वे सबसे कम उम्र के व्यक्ति थे। वे कई बार हारे और जीते। उन्हें दक्षिणपंथी माना जाता है। वे फौज के सिपाही होने के नाते 1967 के अरब-इजराइल युद्ध में अपनी बहादुरी दिखा चुके थे।

यह वह वक्त था, जब इजराइल ने डंडे के जोर पर सीरिया से गोलान की पहाड़ियां, जोर्डन का पश्चिमी किनारा, गाजा पट्टी और पूर्वी यरूशलम पर कब्जा कर लिया था। उस आक्रामक संस्कार से मंडित नेतन्याहू ने जब इजराइली राजनीति में प्रवेश किया तो वे अरब-विरोधियों के प्रवक्ता बन गए। नरमपंथी प्रधानमंत्री यित्जाक राबिन की हत्या के बाद 1996 में हुए चुनाव में इजराइल की जनता ने घनघोर अरब-विरोधी नेतन्याहू को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बिठा दिया।

नेतन्याहू उस 'ओस्लो एकार्ड' के विरोधी थे, जो इजराइल और फलिस्तीन के दो राज्यों को मान्यता दे रहा था। दो राज्यों का यह समाधान आतंकवाद की भेंट चढ़ गया और नेतन्याहू ने उस समझौते की धुर्रियां बिखेर दीं। उन्होंने इजराइल द्वारा कब्जाए गए इलाकों को खाली करने से मना कर दिया, अरबों को इजराइल से निकाल बाहर करने की मुहिम चलाई और फलिस्तनियों से समझौते के सारे रास्ते बंद कर दिए। नेतन्याहू ने अमेरिका से नजदीकी बढ़ाई और ईरान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अभियान छेड़ दिया।

उन्होंने ओबामा-काल में ईरान के साथ हुए परमाणु-समझौते का विरोध किया और ईरान के विरुद्ध परमाणु शस्त्रास्त्रों के प्रयोग की धमकी भी दी। उनके ईरान-विरोध ने अरब देशों के सुन्नी शासकों को इजराइल के नजदीक ला दिया। अब इजराइल के मिस्र, सउदी अरब, जोर्डन, यूएई, बहरीन, मोरक्को, सूडान आदि राष्ट्रों से भी ठीक-ठाक संबंध बन गए हैं। भारत और रूस के साथ भी इजराइल के संबंध पहले से बेहतर बनाने में नेतन्याहू का विशेष योगदान है।

उन्हीं के प्रयत्न के फलस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजराइल गए थे और वे खुद दो बार भारत आ चुके हैं। भारत के साथ इजराइल के सामरिक, व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध पहले से भी ज्यादा घनिष्ट होने की संभावना है लेकिन फलस्तीन का मामला अब ज्यादा उलझ सकता है, क्योंकि नेतन्याहू की सरकार में यहूदी उग्रवाद के प्रवक्ता भी शामिल हैं।

वेद प्रताप वैदिक

> “ **सौर ऊर्जा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा सौर ऊर्जा के अलावा कोई अन्य उपयुक्त तकनीक नहीं हैए जो घरों और समुदायों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बना सकती है। ग्रिड और मिनी ग्रिड का आपसी जोड़ तथा सामुदायिक रूफटॉप सौर प्रतिष्ठानय इस बदलाव को सक्षम करेंगे। सौर ऊर्जाए नेट जीरो आधरित भारत के उस लक्ष्य को हासिल करने की आधारशिला बन सकती हैए जिसे देश ने 2070 के लिए निर्धारित किया है।**

सौर उर्जा भारत को नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने में मदद कर सकती है

आर के सिंह

दुनिया सौर क्रांति की दहलीज़ पर है। सूर्यए न केवल दुनिया का सबसे प्रचुर और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत हैए बल्कि व्यापक तौर पर इसे स्वीकार किए जाने के साथए यह अंतर्राष्ट्रीय जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए सुलभ ऊर्जा के रूप में आवश्यक हो गया है। कई देशों के पास अब अच्छी तरह से स्थापित नीतियां और विनियम हैंए जो इसे वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए आवश्यक पैमाना और सामर्थ्य प्रदान करते हैं। सौर ऊर्जाए न केवल विकासशील देशों में ऊर्जा पहुंच और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैए बल्कि विकसित देशों में बैटरी ऊर्जा संचयनए इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग अवसंरचना और हाइड्रोजन उत्पादन के एकीकरण के माध्यम से ऊर्जा के स्रोतों में बदलाव के लिए सुविधा भी प्रदान कर रही है।

लागतए सरल और आसान रख.रखावए सहज संरचना बदलावए विभिन्न अनुप्रयोग आदि के सन्दर्भ में अन्य ऊर्जा प्रौद्योगिकियों पर तकनीकी श्रेष्ठता के बावजूदए सौर ऊर्जा उत्पादन एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना कर रहा हैए जिसके समाधान की आवश्यकता है। वैश्विक फोटोवोल्टिक ;पीवीद्ध विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला कुछ ही देशों में केंद्रित हैए जिसके परिणामस्वरुप मौजूदा सीमित आपूर्ति श्रृंखलाओं में अवरोध होने के बादए हाल ही में कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है।

इन व्यवधानों ने महत्वपूर्ण सवाल खड़े किए हैं।

कोविड.19 संकट एवं बहुपक्षीय चुनौतियों के कारण वस्तुओं की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। ऊर्जाए कच्चे माल और विनिर्मित वस्तुओं के आयात. जो ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं. पर कुछ देशों की उच्च निर्भरता के कारणए इन देशों का ध्यान सौर ऊर्जा पर केन्द्रित हुआ है। अतिरिक्त चुनौती सौर पैनलों की खरीद से जुड़ी है। अनुमान है कि सौर पीवी की वैश्विक मांगए निम्नतम स्तर पर भीए को पूरा करने में 2030 तक 5ए000 गीगावाट ;जीडब्ल्यूद्ध की संचयी क्षमता की आवश्यकता होगी। हालांकिए सौर पैनलों की कम होती कीमतों और दुनिया भर में की जा रही पहलों को देखते हुएए यह अनुमान लगभग 10ए000 गीगावाट तक भी पहुंच सकता है। इसका मतलब है कि हर साल लगभग 800.1ए000 गीगावाट तक पीवी की वार्षिक क्षमता में वृद्धि हो सकती हैए जो अब तक 200 गीगावाट तक सीमित थी।

भविष्य में वर्तमान क्षमता से पांच गुना अधिक की खरीद की आवश्यकता होगीए इसलिए हमें सहनीय तथा विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की आवश्यकता है। देश अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाकर सहनीयता में सुधार किया जा सकता है। सौर पीवी विनिर्माण परियोजनाओं के विकास को समर्थन देने का सबसे अच्छा तरीका उत्पादन.लागत से जुड़े विभिन्न कारकों को वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से प्रत्यक्ष समर्थन प्रदान करना हैए जैसे टैक्स में छूटए कम लागत वाला वित्तपोषण या प्रत्यक्ष सब्सिडी ;उदाहरण के लिएए भूमि या अवसंरचना में निवेशद्ध।

इसलिएए मांग में वृद्धि करना और सहायक विनिर्माण कंपनियों को प्रोत्साहित करना भी उद्योग को विकसित करने का एक कुशल तरीका हैए लेकिन इसके लिए और निवेश करने की आवश्यकता होगी। भारत ने हाल ही में सौर पीवी विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन ;पीएलआईद्ध योजना का संचालन किया हैए जो सफल रही है। इसके तहत परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वाले ऐसी विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना और संचालन करेंगेए जो पॉलीसिलिकॉनए इनगोटए वेफर्सए सेल और उच्च दक्षता वाले पैनल के निर्माण के साथ पूरे उत्पादन चक्र का भी विस्तार करेंगे।

सौर पीवी विनिर्माण क्षेत्र की दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरताए तीव्र और लागत प्रभावी स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन स्रोत को अपनाने के लिए महत्वपूर्ण है। तेजी से विकास और परियोजनाओं की शुरुआत से उत्पाद की बिक्री तक में लगने वाले लंबे समय के कारणए आपूर्ति और मांग के असंतुलन का जोखिम बढ़ जाता हैए जिससे लागत में वृद्धि हो सकती है और आपूर्ति में कमी आ सकती है। सौर पीवी क्षेत्र मेंए सभी आपूर्ति श्रृंखला खंडों के लिए शुद्ध लाभ.प्राप्ति अनिश्चित व अस्थिर रही है। इस प्रकारए इस व्यवसाय के सभी उप.क्षेत्रों की कमजोरियों को सहायक नीतियों द्वारा नियंत्रित किए जाने की आवश्यकता है।

देशों के बीच आपसी सहयोग ही ऊर्जा उत्पादन के स्रोतों में बदलावए निवेश को बढ़ावा देने और लाखों नए हरित रोजगार पैदा करने का आधार होगा। सरकारों और हितधारकों ने सौर पीवी निर्माण पर अधिक ध्यान देना शुरू कर दिया हैए लेकिन और अधिक सहयोग की आवश्यकता है। तेजी से कार्बन मुक्त हो रही दुनिया में इस क्षेत्र के रणनीतिक महत्व के लिए समान विचारधारा वाले देशों को साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। उम्मीद है कि हर जगह मॉड्यूल निर्माण हो रहा होगा। प्रारंभिक वर्षों में समर्थन की आवश्यकता है और एक वैश्विक समुदाय के रूप मेंए हमें विनिर्माण के लिए वातावरण को सक्षम करने में अन्य देशों को समर्थन प्रदान करने की आवश्यकता है। 110 सदस्य और हस्ताक्षरकर्ता देशों के साथए अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन इस बदलाव के लिए प्रयासरत है।

नई प्रौद्योगिकियां बाजार में आएंगीए जिनमें सौर.प्लस बैटरी का प्रतिस्पर्धी होना शामिल हैं। आपूर्ति श्रृंखला के साथ नई सौर पीवी विनिर्माण सुविधाएं 2030 तक अरबों रुपये के निवेश आकर्षित कर सकती हैं। पूरी आपूर्ति श्रृंखला में वार्षिक निवेश स्तर को दोगुना करने की आवश्यकता है। पॉलीसिलिकॉनए इनगोट और वेफर्स निर्माण महत्वपूर्ण चरण हैं और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इनमें अधिक निवेश की आवश्यकता होगी। सौर ऊर्जा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा सौर ऊर्जा के अलावा कोई अन्य उपयुक्त तकनीक नहीं हैए जो घरों और समुदायों को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बना सकती है। ग्रिड और मिनी ग्रिड का आपसी जोड़ तथा सामुदायिक रूफ्टॉप सौर प्रतिष्ठानय इस बदलाव को सक्षम करेंगे। सौर ऊर्जाए नेट जीरो आधरित भारत के उस लक्ष्य को हासिल करने की आधारशिला बन सकती हैए जिसे देश ने 2070 के लिए निर्धारित किया है।

लेखक भारत सरकार के ऊर्जा और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री हैं तथा अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के अध्यक्ष हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं

सत्ता-विरोधी लहर से पार पाने में कामयाब रहे डेमोक्रेट

प्रशांत झा

अमेरिका में मध्यावधि चुनावों के लिए अभियान जब अंतिम चरण में था, तब डेमोक्रेट्स अतीत के इस भार से दबे हुए थे कि व्हाइट हाउस में सत्तासीन रहने वाली पार्टी इन चुनावों में कांग्रेस (संसद) में बहुमत गंवा देती है। वे मौजूदा हालात से चिंतित थे, क्योंकि राष्ट्रपति जो बाइडन की लोकप्रियता गिर रही थी, बढ़ती महंगाई उनकी पेशानी पर बल ला रही थी, और सर्वेक्षण बता रहे थे कि सुरक्षित सीटों पर भी उन्हें कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा। नतीजतन, वे यह मानकर चल रहे थे कि दोनों सदनों में बहुमत न होने से राष्ट्रपति की ताकत बेमानी हो जाएगी, और रिपब्लिकन 2024 की ओर आत्मविश्वास के साथ बढ़ेंगे।

इन पंक्तियों को जब मैं लिख रहा हूं, तब तक दोनों सदनों (हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स और सीनेट) के चुनावों के अंतिम परिणाम नहीं आ सके थे, लेकिन कह सकते हैं कि दोनों दलों ने अलग-अलग राज्यों में बेहतर प्रदर्शन किया है। इसीलिए, एकतरफा जनादेश की बात कहना सच से मुंह मोड़ना होगा। मगर ये नतीजे यह भी बता रहे हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ जिस 'लाल लहर' की बात कही जा रही थी, वह परवान नहीं चढ़ सकी। डेमोक्रेट न केवल अपना आधार बचाने और सुरक्षित सीटों को जीतने में सफल रहे, बल्कि प्रतिकूल राजनीतिक अर्थव्यवस्था के माहौल में भी उम्मीदों से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया। रिपब्लिकन अब भी निचले सदन को जीतने की उम्मीद पाल रहे हैं, लेकिन यदि वे इसमें सफल भी होते हैं, तब भी उनके पास नाममात्र का बहुमत होगा। सीनेट की भी कुछ यही कहानी होगी, क्योंकि डेमोक्रेट्स ने पेंसिल्वेनिया में रिपब्लिकन से सीट झटक ली है, जबकि उन सीटों पर भी कब्जा जमा लिया है, जिन पर अब तक रिपब्लिकन नजर गड़ाए हुए थे। पार्टी के गवर्नर भी अपने कार्यालय में लौट आए हैं। तब आखिर हुआ क्या है?

दरअसल, अमेरिकी राजनीति भले गहरे विभाजित हो, पर यह मूलत: दो मजबूत खेमों में विभक्त है। हालिया चुनावों पर गौर कीजिए। 2016 में डोनाल्ड ट्रंप ने इलेक्टोरल कॉलेज में बहुमत हासिल किया, पर ज्यादातर पॉपुलर वोट डेमोक्रेट्स के खाते में आए। 2020 में जो बाइडन ने इलेक्टोरल और पॉपुलर, दोनों वोट जीते, मगर ट्रंप ने भी 7.4 करोड़ मत (करीब 47 प्रतिशत) हासिल किया। डेमोक्रेट्स ने हाउस जीता, पर 222 सीटों के साथ उसे मामूली बढ़त मिली, क्योंकि रिपब्लिकन ने 213 सीट जीते, जबकि सीनेट दोनों पार्टियों में आधी-आधी बंटी हुई थी। इसीलिए वहां हाल-फिलहाल में भले दक्षिणपंथ में उछाल आया है, लेकिन उसे मजबूत उदारवादी, लोकतांत्रिक व प्रगतिशील जवाब भी मिला है।

डेमोक्रेट्स के पक्ष में तीन कारक रहे। पहला, गर्भपात अधिकारों पर हमला। सीएनएन के एग्जिट पोल ने दिखाया कि 27 प्रतिशत वोटरों ने गर्भपात को मुख्य चुनावी मुद्दा माना। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गर्भपात पर रोक लगाने संबंधी फैसले के बाद कई रिपब्लिकन राज्यों ने इसे अपना लिया, जिसने डेमोक्रेट वोटरों, विशेषकर महिलाओं व युवाओं को अधिक से अधिक मतदान करने को प्रोत्साहित किया और उदार निर्दलीय प्रत्याशियों पर डेमोक्रेट को जीत मिली। दूसरा, डेमोक्रेट के पास मतदाताओं को लुभाने के लिए एक कहानी थी- महामारी के समय हमें सत्ता मिली और आज स्थिति सामान्य है। हां, महंगाई चिंता की बात है, लेकिन यह वैश्विक कारकों की वजह से है, और हम गैस की कीमतें कम करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। रोजगार-सृजन रिकॉर्ड ऊंचाई पर है, और हमने नकद हस्तांतरण, इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश, छात्र ऋण में राहत जैसी कई ऐसी नीतियां बनाई, जिनसे मतदाताओं को सीधे लाभ हुआ। वैश्विक मामलों में अमेरिका फिर से नेतृत्व करने लगा है... आदि। इसने डेमोक्रेट्स के प्रति मतदाताओं का मोहभंग नहीं होने दिया। और आखिरी कारक, डेमोक्रेट के लिए सबसे बड़ा उपहार डोनाल्ड ट्रंप और उनके उम्मीदवारों का गुट था, जो 2020 के चुनाव को अवैध बता रहे थे।

स्पष्ट है, 2022 ने फिर दिखाया है कि अमेरिका गहराई से विभाजित है, और मतदाताओं के एक बड़े वर्ग में लोकतांत्रिक मानदंडों और स्वतंत्रता को लेकर प्रतिबद्धता है, जिसने यह सुनिश्चित किया कि 'लाल' पूरी तरह से 'नीला' पर हावी न हो।

कनाडा में सिख बोलबाले के कई आयाम

विवेक सक्सेना

पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार में हरजीत सिंह सज्जन देश के रक्षा मंत्री थे। ट्रूडो का कहना था कि भारत के मोदी मंत्रिमंडल से दुगने सिख मंत्री मेरी सरकार में शामिल है। हरजीत सिंह कनाडा के पूर्व सैन्य अधिकारी थे। वहां की अदालतों में सिखों का कृपाण रखने की छूट भी दी जा चुकी है। यदि आप कनाडा में वेंकूवर के सरे इलाके में जाए तो आपको अंग्रेजी में बात करने की जरुरत नहीं होगी। देख कर ऐसा लगता है कि जैसे कि आप दिल्ली के तिलक नगर में आ गए हो। उस इलाके के बाजार में ज्यादातर दुकानदार सिख व पंजाबी हैं। शहर में गुरुद्वारों की संख्या काफी अधिक है। अब हालत बहुत बदल गए हैं। यदि आप कनाडा में वेंकूवर के सरे इलाके में जाए तो आपको अंग्रेजी में बात करने की जरुरत नहीं होगी। देख कर ऐसा लगता है कि जैसे कि आप दिल्ली के तिलक नगर में आ गए हो। उस इलाके के बाजार में ज्यादातर दुकानदार सिख व पंजाबी हैं। शहर में गुरुद्वारों की संख्या काफी अधिक है। कनाडा की जानी मानी पुलिस 'आरसीएमपी' (रायल कनाडियन माउट्रेड पुलिस) में पहले सिख पुलिसवालों को दाढ़ी रखने पर प्रतिबंध था। बाद में वे दाढ़ी रखने का मुकदमा जीत गए। वहां कई पुराने गुरुद्वारों को राष्ट्रीय महत्व के गुद्वारे का सम्मान दिया गया है। अनेक अवसरों पर नगर कीर्तन का जुलूस निकालने की अनुमति दे दी जाती है। जनसंख्या में सिखों व हिंदुओं का हिस्सा महज पांच फीसदी से कम है पर चुनाव में राजनीतिक दल उन्हें खास महत्व देते हैं। वेंकूवर में तो सिखों ने एक अपना अलग स्कूल तक खोला हुआ है। वहां रेस्तरां, भवन निर्माण, ट्रांसपोर्ट व व्यापार में तो मानो सिखों का लगभग एकाधिकार है। इसके अलावा उन्होंने अपने नाम से बैंक तक खोली हुई है।

जब अपने पिछले कार्यकाल के दौरान वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत आए थे तो वे अपने साथ जिन सिख प्रतिनिधियों को लाए थे उनमें एक का नाम भारत द्वारा घोषित आतंकवादी भी था। तब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी इस हरकत पर नाराजगी जताने के लिए उन्हें ज्यादा महत्व नहीं दिया था व खुद उनकी आवभगत करने के बजाए उन्हें भारत में आने-जाने की जिम्मेदारी अपने राज्य मंत्री को सौंप दी थी। ऐसा करके उन्होंने जस्टिन ट्रूडो से नाराजगी जतायी थी। हालांकि जस्टिन ट्रूडो का दिल्ली की एक गुरुद्वारे में काफी सम्मान किया गया था। बहुत बुरा संयोग था जो अमेरिका में आतंकवादियों द्वारा किए गए 9/11 के विमान हमले के पहले आतंकवादियों द्वारा सबसे पहले विमान को आतंकवाद का निशाना बनाने की घटना कनाडा में ही घटी थी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026, 7869620239

ओम क्रियेशन कार्ड्स
• फैंसी एनवेलोप्स • वेडिंग कार्ड • कैलेंडर
आकर्षक, मनमोहक, फैंसी
शादी कार्ड
रायपुर से कम दाम में
शॉप नं. 9301816830, मो.-9301182010
पचरी पारा, कुआ चौक, बस स्टैण्ड रोड, दुर्ग
ओम यूनिफॉर्म
स्कूल यूनिफॉर्म एंड जनरल ऑर्डर सप्लायर्स
रवि अग्रवाल-9302834646
इंदिरा मार्केट, फरिश्ता कॉम्प्लेक्स के पास, दुर्ग

Sargam
Musicals

Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

महक सेनीटेशन
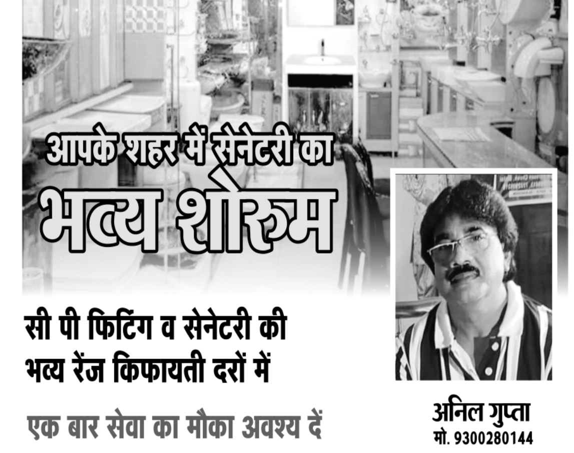

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता
मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

अखिल भारतीय कालिदास समारोह ने प्रतिभाओं को मंच तथा सम्मान देने का विशिष्ट कार्य किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महाकवि कालिदास के कृतित्व के संबंध में अपने विचार व्यक्त करना सूरज को दिया दिखाने के समान है। उनकी रचनाओं और कल्पनाओं में प्राकृतिक सौंदर्य और मानवीय संवेदनाओं के समावेश के कारण ही उन्हें विश्व स्तर पर सम्मान और पहचान मिली। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने उक्त बातें मुख्य अतिथि की आसंदी से उज्जैन में आयोजित अखिल भारतीय कालिदास समारोह के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

समारोह में राज्यपाल सुश्री उइके ने राष्ट्रीय कालिदास चित्र एवं मूर्तिकला प्रतियोगिता तथा विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। समापन समारोह में शामिल होने के पूर्व छत्तीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री उइके के द्वारा महाकवि कालिदास की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही कालिदास की कृति विक्रमोर्वशीयम से अनुप्राणित चित्र एवं मूर्ति कलाकृतियों की राष्ट्रीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कालिदास संस्कृत अकादमी के प्रभारी निदेशक डॉ.संतोष पण्ड्या ने कालिदास समारोह-2022 के अन्तर्गत आयोजित किये गये विभिन्न कार्यक्रमों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने अपने संबोधन का प्रारंभ महोत्सव में उपस्थित साहित्य, कला, रंगकर्म, नृत्य और संगीत के क्षेत्र से आए प्रबुद्धजनों के अभिवादन के साथ किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक अखिल भारतीय कालिदास समारोह वर्ष 1958 से निरंतर आयोजित हो रहा है। पिछले सात दशकों में इस समारोह ने भारतीय कला और संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और देश की विलक्षण प्रतिभाओं को मंच तथा सम्मान देने का विशिष्ट कार्य किया है। राज्यपाल ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक समृद्धता और रचनात्मक संसार के सशक्त आधारस्तंभ के रूप में महाकवि कालिदास का सदैव स्मरण किया जाएगा।

इस आर्यवर्त की सांस्कृतिक परम्परा में अनेक महान कवि हुए हैं, परन्तु ऐसे कवि नगण्य ही हैं, जिन्होंने राष्ट्र की सांस्कृतिक चेतना को अभिव्यक्ति दी है, कालिदास उनमें से एक है। उन्होंने कहा कि भारत के हजारों वर्ष के इतिहास के सौन्दर्य को धरातल से उठा कर क्षितिज में प्रतिष्ठित करने और उसे सशक्त वाणी देने का काम महाकवि कालिदास ने किया है। उज्जयिनी अर्थात उज्जैन ऐतिहासिक रूप से धर्म, अध्यात्म, संस्कृति, कला, साहित्य और वाणिज्य का प्रमुख केन्द्र रहा है। राज्यपाल सुश्री उइके ने अपने संबोधन में आगे कहा कि उज्जैन भूतभावन भगवान बाबा महाकाल का निवास है। श्रीकृष्ण और बलराम की विद्यास्थली है। सिंहस्थ कुंभ का आयोजन इसी पुण्य धरती पर प्रति बारह वर्षों में होता है। यही कारण है कि महाकवि कालिदास की रचनाओं में भी समकालीन उज्जैन की भव्यता का सारगर्भित वर्णन मिलता है। उनकी सर्वोच्च कृति मेघदूत में उज्जयिनी की इमारतों, बाजारों तथा निवासियों का सुन्दर वर्णन मिलता है। उन्होंने उज्जैन को स्वर्ग के एक चमकते हुए टुकड़े के रूप में वर्णित किया है।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि उज्जैन की पावन पुण्य धरा पर महाकवि कालिदास को समर्पित इस आयोजन में सभी कलाकारों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। मेरा मानना है कि आप सभी सौभाग्यशाली है।

प्रदेश में अब तक 2.46 लाख मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश में धान खरीदी का महाभियान 01 नवम्बर से प्रारंभ है। प्रदेश में अब तक किसानों से समर्थन मूल्य पर 2 लाख 46 हजार 560 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। आज 10 नवम्बर को किसानों से 59 हजार 256 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई। अब तक धान के एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत 534.39 करोड़ रुपये का भुगतान जारी कर दिया गया है।

खाद्य विभाग के सचिव श्री टोपेश्वर वर्मा ने बताया कि धान बेचने वाले किसानों को आज 22,316 टोकन जारी किए गए थे। टोकन तुंहर हाथ एप्प के द्वारा 2468 टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस की खरीदी के लिए राज्य में धान उपार्जन के लिए 26,587 टोकन तथा तुंहर हाथ एप के जरिये 3,076 टोकन जारी किए गए हैं। राज्य में धान खरीदी निर्बाध रूप से जारी है। अधिकारी धान की व्यवस्था पर निरंतर निगरानी बनाए हुए हैं। धान खरीदी को लेकर कहीं से किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं मिली है।

खाद्य सचिव श्री वर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर धान खरीदी के साथ साथ कस्टम मिलिंग के लिए धन का उठाव प्राम्भ हो गया है। अब तक 44 हजार 639 मीट्रिक टन धान के उठाव के लिए डी.ओ. जारी किए गए हैं। जिसके एवज में उपार्जन केंद्रों से 9,849 मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष लगभग 110 लाख मीट्रिक धान का उपार्जन अनुमानित है। समर्थन मूल्य पर धान बेचने के लिए राज्य में 25.92 लाख किसानों का पंजीयन हुआ है, जिसमें लगभग 1.86 लाख नये किसान है। राज्य में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 2497 उपार्जन केन्द्र बनाए गए हैं। इस साल किसानों से सामान्य धान 2040 रूपए प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान 2060 रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जा रहा है।

खास खबर

मुख्यमंत्री ने मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती पर उन्हें नमन किया है। बघेल ने मौलाना अबुल कलाम आजाद के योगदान को याद करते हुए कहा है कि आजाद भारत में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ शिक्षा व्यवस्था के सुधार में मौलाना अबुल कलाम आजाद जी का बड़ा योगदान रहा है। उनकी याद और सम्मान में उनके जन्मदिन 11 नवम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार मौलाना अबुल कलाम आजाद के पदचिन्हों पर चलकर छत्तीसगढ़ की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर रही हैं। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और सुविधायुक्त वातावरण देने के लिए आत्मानंद स्कूलों की स्थापना की गई है। निर्धन और दूरस्थ क्षेत्र के बच्चों को भी अब शहरों के अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की तरह शिक्षा के अवसर और संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं।

सहायक संपरीक्षक के पदस्थापना आदेश जारी

रायपुर। संचालक छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा द्वारा छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा परिणाम के प्रावीण्यता सूची के आधार पर चयनित सहायक संपरीक्षक के पदस्थापना आदेश जारी कर दिए हैं। इनको तीन वर्ष की परीवीक्षा अवधि पर नियुक्त किया गया है। संचालनालय से जारी आदेश अनुसार सुश्री अंजू दिनकर को कार्यालय संयुक्त संचालक छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा बिलासपुर, दीपक कुमार पाण्डेय को संयुक्त संचालक छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा अम्बिकापुर और री मुकेश कुमार मगेन्द्र को संयुक्त संचालक छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा दुर्ग पदस्थ किया गया।

सड़क दुर्घटनाएं रोकने समुचित प्रयास होः मुख्य सचिव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सड़क सुरक्षा के संबंध में गठित समिति की बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सड़क दुर्घटना नही हो इसके लिए समुचित प्रयास हो। उन्होंने सड़क सुरक्षा के लिए व्यापक प्रबंधन करने कार्ययोजना के तहत कार्यवाही करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

मुख्य सचिव ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं के कारणों को जानने के लिए विश्लेषण किया जाना चाहिए। श्री जैन ने जिला स्तर पर सड़क सुरक्षा समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने और सड़क सुरक्षा के संबंध में कार्यवाही के प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए है।

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के उपाय और प्रयास तथा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा के परिदृश्य में अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) पुलिस मुख्यालय परिसर नवा रायपुर द्वारा सड़क दुर्घटना नियंत्रण हेतु प्रयास एवं भावी कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण दिया गया। बैठक में डी.जी.पी. श्री अशोक जुनेजा एवं परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा भी शामिल हुए। सड़क सुरक्षा परिदृश्य के संबंध में अंतर्विभागीय लीड ऐजेंसी (सड़क सुरक्षा) के अधिकारियों ने दुर्घटना नियंत्रण के प्रयासों और कार्ययोजना के संबंध में बताया कि राज्य में इस वर्ष जनवरी से अक्टूबर 2022 तक करीब तीन लाख आठ हजार 559 यातायात नियमों के उल्लंघन के प्रकरणों पर 11 करोड़ 74 लाख 54 हजार 690 रूपए की वसूली चालानी कार्यवाही की गई।

परिवहन विभाग द्वारा 6 लाख 48 हजार 430 वसूली चालानी की कार्यवाही की गई। इससे दुर्घटनाओं के नियंत्रण के प्रयास किए गए। इसी तरह से वर्ष 2021 में सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण हेतु जागरूकता के 4458 कार्यक्रम राज्य भर में आयोजित हुए। इसमें करीब 11 लाख 77 हजार 700 लोगों ने भागीदारी की। जागरूकता कार्यक्रम में रोड सेफ्टी वर्ड क्रिकेट सीरीज, सड़क सुरक्षा मितान, सड़क सुरक्षा आधारित लघु फिल्म फेस्टिवल, सड़क सुरक्षा आधारित गीत, एनसीसी, स्काउड गाईड के सहयोग से व्यापक जागरूकता सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। लीड ऐजेंसी सड़क सुरक्षा द्वारा छत्तीसगढ़ शिक्षा मण्डल के पाठ्यक्रम में सड़क सुरक्षा के लिए कक्षा तीन से 10वीं के बच्चों के लिए प्रश्न बैंक एवं प्रायोजना तैयार की जा रही है। परिमार्जन सहित परीक्षाओं में सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रश्नों को शामिल किए जाने हेतु पहल की जाएगी। एनसीसी, स्काउड गाईड को उनके कैम्पों में सड़क सुरक्षा के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी तरह से इस वर्ष राज्य के विभिन्न दुर्घटना के करीब 104 ब्लैक स्पॉटस में से 50 में सुधार कार्य पूर्ण कर लिया गया है और 54 कार्य प्रगति पर है। सड़क जक्शनों के 3972 में से 1981 सुधार कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इसी तरह से 23 ट्रक ले बाय, 272 बस ले बाय, चार रेस्ट एरिया का कार्य पूर्ण कर लिया गया। शेष निर्माण कार्य शीघ्र ही पूर्ण कर लिया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं के कारणों के विश्लेषण के लिए इटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटा बेस के क्रियान्वयन के लिए परिवहन, स्वास्थ्य, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य निर्माण विभाग द्वारा ऐजेंसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है, ड्राइविंग एवं प्रशिक्षण संस्थान में यातायात पुलिस कर्मियों एवं वाहन चालकों को प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सतत् रूप से जारी रहेगा। सड़क सुरक्षा के प्रबंधन हेतु सड़क सुरक्षा मद से यातायात तथा पुलिस कर्मियों के लिए गर्मी एवं वर्षा से बचाव हेतु रेंज अंब्रेला, रिफ्लेक्टिव जैकेट, ब्रीथ एनालाईजर, स्पीड रॉडार गन, ट्राफिक्र ब्लिंकर कोलेप्सेबल रोड स्टापर, बैरिकेट्स, इंटरसेप्टर, टो,क्रैश, रिकव्हरी व्हीकल, हाईवे पेट्रोलिंग उपकरणों सहित, एल.ई.डी. वाल आदि का प्रबंध किया जा रहा है। बैठक में सर्वाधिक दुर्घटनाओं वाले सात जिले रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, रायगढ़, जांजगीर-चांपा एवं कोरबा के समग्र सड़क सुरक्षा परिदृश्य के संबंध में संबंधित जिलों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई। विभिन्न जिलों में संचालित सात मेडिकल कॉलेज और जिला चिकित्सालयों में अलग-अलग स्तर पर ट्रामा सेंटर का उन्नयन किया जा रहा है।

नई तस्वीर : राजीव गांधी किसान न्याय योजना से किसान अनंतराम को मिली खुशिया अनंत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। राजीव गांधी किसान न्याय योजना राज्य शासन द्वारा चलाई जा रही किसानों के लिए शासन की महत्वाकांक्षी योजना में से एक है। दन्तेवाड़ा विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम कामालूर के निवासी कृषक श्री अनंतराम बताते है कि उनके पास 14.94 हेक्टेयर जमीन है। जिसमें वह धान, उड़द मूंग, कोदो, रागी, मक्का के साथ-साथ सब्जी का उत्पादन करते है और अपनी जीवन यापन करते है।

उन्होंने पिछले साल राजीव गांधी न्याय योजना अंतर्गत कृषि विभाग के माध्यम से धान एवं अन्य फसल का पंजीयन कराया था। अनंतराम बताते हैं कि पिछले वर्ष उसकी 14.94 हेक्टेयर क्षेत्र में लगी धान एवं अन्य फसल पूरी तरह से खराब हो गई थी। फसल खराब होने से उनकी लागत भी नही निकली। इसके चलते उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। श्री अनंतराम दिन-रात इस चिंता में थे कि कैसे वह अगली फसल की तैयारी करेगा, परिवार का पालन-पोषण कैसे करेगा और बच्चों को कैसे पढ़ा पाएगा। उन्हें अगर राजीव गांधी न्याय योजना का लाभ नहीं मिलता तो उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो जाती तथा उन्हें कर्ज से भी जूझना पड़ सकता था। अनंतराम अगली फसल के लिए कर्ज लेने की सोच रहा था, तभी राजीव गांधी किसान न्याय योजना से प्रथम, द्वितीय, तृतीय किस्त के कुल राशि 5 लाख 52 हजार 249 रूपये उनके खाते में आ गए। अब श्री अनंतराम और उसके परिजन बहुत खुश हैं। राजीव गांधी किसान न्याय योजना से उन्हें काफी मददगार साबित हुआ। इसी के चलते आज उनकी दिन-रात की कड़ी मेहनत और फसल नुकसान की भरपाई हो पाई। राजीव गांधी किसान न्याय योजना से लाभ मिलने से शासन-प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने आरंग के मतदान केंद्र कयाबांधा का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले ने मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 12 आरंग के मतदान केन्द्र क्रमांक 177 कयाबांधा का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य के संबंध में बूथ लेवल ऑफिसर एवं अविहित अधिकारी से विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने इस मौके पर उपस्थित मतदाता रजिस्टीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्टीकरण अधिकारी, सुपरवाईजर को पूरे विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं विलोपन तथा संशोधन हेतु प्राप्त आवेदनों का परीक्षण किया। उन्होंने मतदान केंद्र पर वाचन किये गये मतदाता सूची का परीक्षण कर मृत तथा अन्यत्र स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित किये जाने तथा विलोपन में सावधानी बरतने के निर्देश दिये। श्रीमती कंगाले ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रारूप-6, प्रारूप-6(ए) एवं प्रारूप-8 के नवीन संशोधनों के संबंध में बी.एल.ओ., अविहित अधिकारी एवं ग्राम वासियों से चर्चा की। उन्होंने वर्तमान में जिनकी उम्र-17 वर्ष है तथा आगामी वर्ष 2023 के 01 अक्टूबर को जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण होगी ऐसे नवीन मतदाताओं का नाम पात्रता अनुसार अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने के निर्देश दिये। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने इस अवसर पर उपस्थित दिव्यांग मतदाता नेमीचंद पटेल पिता दुखु पटेल से चर्चा कर दिव्यांग मतदाताओं के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के नवीन निर्देशों जैसे पोस्टल बैलेट, व्हील चेयर की उपलब्धता तथा अन्य सुविधाओं की जानकारी दी। साथ ही उपस्थित बी.एल.ओ. एवं अविहित अधिकारी को प्रारूप-8 में दिव्यांगता दर्ज करने के निर्देश दिये। उन्होंने ग्राम में तृतीय लिंग के मतदाता होने की स्थिति में उनकी पहचान कर मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

गरियाबंद। कलेक्टर प्रभात मलिक ने कहा है कि जनचौपाल में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा समय-सीमा बैठक में होगी ।सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को कलेक्टोरेट जनचौपाल पश्चात समय-सीमा बैठक आयोजित होगी। आवेदक पूर्वान्ह 11 बजे जनचौपाल में आवेदन एन्ट्री करायेंगे। आवेदन से संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कार्यालयीन कर्मचारी द्वारा मौके पर आवेदन का निराकरण किया जायेगा। जनचौपाल के निराकृत आवेदन की विभागवार समीक्षा समय-सीमा बैठक में होगी। अधिकारी पूरी तैयारी के साथ जनचौपाल व समय-सीमा बैठक में उपस्थिति सुनिश्चित करें।

खास खबर

जल जीवन मिशनः निर्माण कार्यों की हो रही लगातार समीक्षा

रायपुर। राज्य के ग्रामीण अंचलों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत तेजी से घर-घर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जल जीवन मिशन के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। इसी कड़ी में धमतरी कलेक्टर पी.एस. एल्मा ने जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में एल्मा ने रेट्रोफिटिंग जलप्रदाय योजना, सिंगल विलेज जल प्रदाय योजना, सोलर आधारित योजना तथा समूह जल प्रदाय योजनाओं की एजेण्डावार समीक्षा की। उन्होंने पाइपलाईन विस्तार, टंकी स्थापना तथा घरेलू नल कनेक्शनों के प्रगतिरत कार्यों को जल्द से जल्द गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में कलेक्टर ने पिछले सप्ताह की अपेक्षा कार्यों में प्रगति नहीं आने पर नाराजगी जतायी तथा ठेकेदारों से नियत समयावधि में ही कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा लंबित कार्यों को अगले सप्ताह तक पूरा कराने के लिए कहा। उन्होंने अधिकारियों से योजनावार तथा कार्य पूर्णता की प्रतिशतवार अद्यतन जानकारी ली। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जलजीवन मिशन अंतर्गत रेट्रोफिटिंग जलप्रदाय योजना के 260 स्वीकृत कार्यों में से 18 कार्य पूर्ण हो चुके हैं और 242 कार्य प्रगति पर है। इसी तरह सिंगल विलेज योजनांतर्गत कुल 253 कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। जिनमें से दो पूर्ण हो चुके हैं, 44 अप्रारम्भ हैं तथा शेष कार्य प्रगति पर हैं। सोलर आधारित जलप्रदाय योजना की जानकारी देते हुए बताया कि 80 स्वीकृत कार्यों में से 40 कार्य पूर्ण हो चुके हैं और शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कर लिए जाएंगे।

राज्य के दूर-दराज सहित हर अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं की सुगम उपलब्धता पर जोरः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने श्री नारायणा हॉस्पिटल में घुटना प्रत्यारोपण के लिए पूर्णतः ऑटोमेटिक रोबोट का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य के दूर-दराज सहित हर अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने और इसकी सुगम उपलब्धता के लिए हर संभव पहल की जा रही है। इसके तहत राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने का कार्य निरंतर जारी हैं। इससे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर लाभ हर नागरिक को मिले और गरीब से गरीब व्यक्ति भी गंभीर से गंभीर बीमारी का इलाज कराने में सक्षम हो सके।

मुख्यमंत्री बघेल ने शाम राजधानी के श्री नारायणा हॉस्पिटल में अत्याधुनिक पद्धति से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए मध्य भारत का सबसे पहला पूर्ण रूप से ऑटोमेटिक रोबोट का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। उन्होंने इसके लिए हॉस्पिटल के पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि इस सुविधा की यहां शुरूआत होना श्री नारायणा हॉस्पिटल के साथ-साथ हमारे प्रदेश की भी एक अच्छी उपलब्धि है। इस मशीन के आने से मध्य भारत और छत्तीसगढ़ के जरूरतमंद मरीजों की घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए अन्य मेट्रो शहरों के बड़े अस्पतालों पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि बीते पौने चार वर्षों के दौरान राज्य के चिकित्सा सेवा क्षेत्र में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में मिलकर प्रदेश की स्वास्थ्य अधोसरंचना को बहुत सुदृढ़ बना दिया है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज हमारे राज्य में हर तरह की गंभीर बीमारियों की उत्कृष्ट चिकित्सा उपलब्ध है। इसके परिणाम स्वरूप छत्तीसगढ़ में न केवल भारत के अन्य प्रदेशों से बल्कि दुनिया के अनेक देशों के लोग अपनी चिकित्सा के लिए आ रहे है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे कहा कि अब हर तरह की नई और आधुनिक चिकित्सा तकनीकें हमारे राज्य के अस्पतालों में उपलब्ध हैं। यह हमारी मजबूत स्वास्थ्य अधोसंरचना का परिणाम था कि हमने कोरोना जैसी भीषण संकट का सफलता के साथ सामना किया। हमने न सिर्फअपने राज्य के लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की बल्कि अन्य राज्यों की भी हम मदद करने में सफल रहे। हमारी सरकार राज्य के स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए निजी क्षेत्र को अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करने के लिए न केवल प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि सहयोग भी दे रही है। कार्यक्रम को डॉ. सुनील खेमका-श्री नारायणा हॉस्पिटल ने भी सम्बोधित किया। सीयूव्हीआईएस नाम के इस रोबोट को साउथ कोरिया में एक कंपनी द्वारा विशेष रूप से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए निर्मित किया गया है, जो अत्याधुनिक एवं पूर्णतः ऑटोमेटिक है। विदित हो कि इसी कंपनी ने दुनिया में सबसे पहला सर्जिकल रोबोट लांच किया था। इसमें सर्जरी के पहले प्लानिंग के साथ मरीज के पैर के लोवर लिम्ब का, हिप, नी और एंकल को फोकस करते हुए सीटी स्कैन किया जाता है। एकदम फाइन एक्यूरेसी एवं मानन्यूट डिग्री के एंगल का करेक्शन होने की वहज से रोबोटिक सर्जरी के बाद यह नॉर्मल लिम्ब जैसा हो जाता है और इसमें जॉइंट्स की लाइफ एक्सपेक्टेंसी ज्यादा रहती है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, महापौर नगर पालिक निगम एजाज ढेबर, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल तथा मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा एवं राजेश तिवारी और डॉ. राम खेमका, राजकुमार अग्रवाल, डॉ. प्रीतम अग्रवाल सहित श्री नारायणा हॉस्पिटल के चिकित्सकीय स्टॉफ उपस्थित थे।

युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने युवा उत्सव 2022-23 का होगा आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने एवं उनकी प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से युवा उत्सव 2022-23 का आयोजन किया जा रहा है। युवा उत्सव का आयोजन विकासखण्ड, जिला, संभाग और राज्य स्तर पर किया जाएगा। विकासखण्ड युवा उत्सव का आयोजन 15 नवंबर 2022 तक, जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 16 नवंबर से 10 दिसंबर तक, संभाग स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 11 दिसंबर से 31 दिसंबर तक और राज्य स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 12 से 14 जनवरी 2023 तक किया जाएगा। युवा उत्सव का आयोजन दो आयु वर्ग 15 से 40 वर्ष तक एवं 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में किया जाएगा। युवा उत्सव का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। आयोजन के संबंध में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार युवा वर्ग में 18 विधाओं में प्रतियोगिताएं होंगी। इन विधाओं में लोकनृत्य, लोकगीत, एकांकी नाटक (हिन्दी, अंग्रेजी भाषा, छत्तीसगढ़ी), शास्त्रीय गायन हिन्दुस्तानी शैली, शास्त्रीय गायन कर्नाटक शैली, सितार वादन (शास्त्रीय वादन), बांसुरी वादन (शास्त्रीय वादन), तबला वादन (शास्त्रीय वादन), वीणा वादन (शास्त्रीय वादन), मृदगंम वादन(शास्त्रीय वादन), हारमोनियम वादन (सुगम वादन), गिटार वादन (भारतीय एवं पाश्चात्य संगीत), मणीपुरी (शास्त्रीय नृत्य), ओडिसी (शास्त्रीय नृत्य), भरतनाट्यम (शास्त्रीय नृत्य), कत्थक (शास्त्रीय नृत्य), कुचीपुड़ी (शास्त्रीय नृत्य), वक्तृत्व कला (शास्त्रीय नृत्य) शामिल हैं। उपरोक्त विधाओं के अतिरिक्त पारंपरिक एवं अन्य गतिविधियां भी आयोजन में सम्मिलित होंगी। इनमें सुआ, पंथी, करमा नाचा, सरहुल नाचा, बस्तरिहा लोकनृत्य, राउत नाचा, फुगड़ी, भौंरा, गेड़ी दौड़, रॉक बैंड (सीधे राज्य स्तर पर सम्मिलित किया जाएगा), पारंपरिक वेशभूषा (विविध वेशभूषा) प्रतियोगिता, फूड फेस्टिवल-छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के आधार पर प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता-छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती, मुख्यमंत्री भूपेश के द्वारा की गई घोषणानुसार राज्य के लोक साहित्य को भी शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य विविध संस्कृति एवं विविध बोलियों वाला प्रदेश है, अतः जिला स्तर पर स्थानीय लोक कला (जैसे-पेंटिंग, हैण्डीक्राफ्ट, भित्तीचित्र एवं अन्य), लोक भाषा का साहित्य जैसे गोंडी, हल्बी, कुडूक आदि एवं अन्य सभी लोक भाषा के जो भी लोक कलाकार प्रस्तुति देना चाहें।

उद्यमियों को हर संभव मदद देगी सरकारः मंत्री कवासी लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा आज कृषि महाविद्यालय जगदलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय स्टार्टअप बायर-सेलर मीट में बस्तर संभाग के सभी जिलों से आए उद्यमियों ने हिस्सा लिया।

इस स्टार्टअप मीट का उद्देश्य स्थानीय स्तर के उत्पादों को बेहतर बाजार देने के लिए क्रेता और विक्रेता के लिए ब्रिज तैयार करना है, ताकि लोकल व्यवसायी अपने उत्पाद का सही मूल्य प्राप्त कर सकें और बिचौलियों के चंगुल से उन्हें मुक्ति मिले। मंत्री श्री लखमा ने कार्यक्रम में मौजूद आदिवासी उद्यमियों और किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि वे स्वरोजगार और अपने उत्पादों के लिए उद्यम लेकर आएं। सरकार उन्हें रियायती दर पर जमीन देगी। मुख्यमंत्री की मंशा है कि छोटे उद्योग आगे बढ़े और राज्य व देश को आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान करने में अपनी भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम में संसदीय सचिव श्री रेखचंद जैन, बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, अंतागढ़ विधायक अनूप नाग, इंद्रावती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राजीव शर्मा के अलावा बस्तर के सभी जिलों से छोटे उद्यमी और स्थानीय क्रेता-विक्रेता शामिल हुए।

खराब व जर्जर सड़कों का मरम्मत और नवीनीकरण कार्य दिसम्बर तक पूरा करेंः ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा है कि प्रदेश की खराब और जर्जर सड़को की मरम्मत तथा नवीनीकरण का कार्य दिसम्बर माह तक पूर्ण करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक सड़क का वर्क प्लान तैयार करें और सड़कों के संधारण का कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए। गृह मंत्री श्री साहू आज यहां विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर काम-काज की समीक्षा की।

मंत्री श्री साहू ने सड़को के निर्माण के साथ-साथ मरम्मत और नवीनीकरण कार्यो में तेजी लाने के लिए मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंता को सप्ताह में 4 से 5 दिन फील्ड में निरीक्षण कर मॉनीटिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने ए.डी.बी. के अंतर्गत बनने वाली सड़कें जो घनी आबादी से गुजरती है, वहां बाई पास रोड निर्मित कराने कहा। शहरी क्षेत्रों के ज्यादातर सड़के वाटर लॉगिंग के कारण खराब हुई है, इन सड़को के किनारे नाली निर्माण किया जाए और जहां नाली चोक हो उसे साफ कराया जाए। उन्होंने कहा कि रोड संधारण कार्य व्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए। बैठक में गृह मंत्री ने बताया कि प्रदेश में लगभग 5 हजार किलोमीटर की सड़क सामान्य स्थिति में है। 5 हजार 92 किलोमीटर सड़क पर छोटे-मोटे पेच वर्क की आवश्यकता है। 4700 किलोमीटर की सड़के जो थोड़ी खराब की स्थिति में है, उसमे पेच वर्क कर ठीक किए जा रहें हैं। केवल 433 किलोमीटर की सड़के जो ज्यादा खराब है। इन सड़कों का नवीनीकरण किये जाने की आवश्यकता है।

गृह मंत्री श्री साहू ने उस दौरान सड़को की गुणवत्ता की जांच के लिए पांच चलित प्रयोगशाला वाहन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना की। ये चलित प्रयोगशाला वाहन सभी पांच संभागों में भेजी गई हैं। इन चलित प्रयोगशालाओं से निर्माणधीन सड़कों में इनपैक्ट वैल्यू टैक्स, डामर की जांच, ग्रेडेशन, फील्ड डेनसिटी आदि की जांच हो सकेगी। इसके अलावा इन प्रयोगशालाओं से दूर-दराज अंचलों में सड़कों की गुणवत्ता पर निगरानी रखने में मद्द मिलेगी।

मंत्री श्री साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार विश्वास, विकास और सुरक्षा की नीति पर चलने के कारण नक्सल गतिविधियों में कमी आई है। क्रेडिबल पुलिसिंग के माध्यम से आम जनता की सुरक्षा, जन हितैषी योजनाओं के कारण राज्य सरकार के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने बताया कि 4 वर्षो में लगभग 15 सौ माओवादियों ने आत्मसपर्मण किया। विभाग द्वारा 206 अनिमियत वित्तीय कंपनी (चिटफंट) के विरूद्ध 459 प्रकरण दर्ज किए हैं। जिनमें से 376 प्रकरणों में चलाना तैयार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका हैं। इन प्रकरणों में 632 डायरेक्टरों और पदाधिकारियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मंत्री श्री साहू ने बताया कि चिटफंट कंपनी में निवेश करने वाले पीड़ित लोगों ने 25 लाख 6 हजार 471 आवेदन किए हैं, इनमें 2 लाख 37 हजार 940 आवेदन का निराकरण किया जा चुका है। शेष आवेदन पर निराकरण की कार्यवाही जारी है।

गृह मंत्री श्री साहू ने बैठक में कहा कि पुलिसिंग कार्यवाही में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से थानों में सी.सी.टीवी लगाये जा रहें । महिला सेल की गठन का कार्य भी किया जा रहा है, इसके लिए 25 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अब तक प्रदेश के 95 पुलिस थानों में सी.सी. टीवी लगाये जा चुके हैं तथा 373 थानों एवं 8 चौकियों में सी.सी.टीवी लगाने का कार्य आदेश जारी हो चुका है। प्रदेश के 455 थानों में महिला सेल का गठन एवं 28 जिलों में महिला प्रकोष्ठ बनाने की कार्यवाही की गई है। विभाग द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए भी कड़े कदम उठाए जा रहें हैं इसके तहत् सीटिजन फाईनेशियल फ्राड टो फ्री नं-1930 जारी किया गया है। 21 जुलाई 2022 तक साइबर अपराधियों से 3.86 करोड़ रूपये होल्ड कराये गए हैं। अब 797 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। साइबर अपराध के बचाव के लिए जन जगारूकता अभियान चलाया जा रहे हैं।

मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग की समीक्षा में धार्मिक स्थलों के रख-रखाव एवं जीर्णोधार व सौदर्यकरण के संबंध में चर्चा की। श्री साहू ने कहा की राम वन गमन पर्यटन परिपथ राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके लिए 137.45 करोड़ रूपयें का प्रावधान किया गया हैं। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत् प्रथम व द्वितीय फेस का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। तृतीय फेस का कार्य मार्च 2023 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। वहीं कबीर की नगरी दामाखेड़ा में पर्यटन विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए 22.43 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। पर्यटन मंडल द्वारा प्रदेश के 14 स्थानों को चिन्हांकित कर ट्राइबल टूरिस्ट सर्किल तैयार किया जा रहा है। इसे मार्च 2023 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने एवं पर्यटकों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल के होटल, मोटल और रिसार्ट को लीज पर दिए की कार्यवाही चल रही है। जल्द ही नए स्वरूप में पर्यटकों के लिए सुविधाएं उपलब्ध होगी।

बैठक में संसदीय सचिव श्री चिन्तामणि महाराज, लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, राज्य सड़क निर्माण प्राधिकरण के संचालक डॉ सारांश मित्तर, ई.एन.सी श्री के.के. पीपरी सहित मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

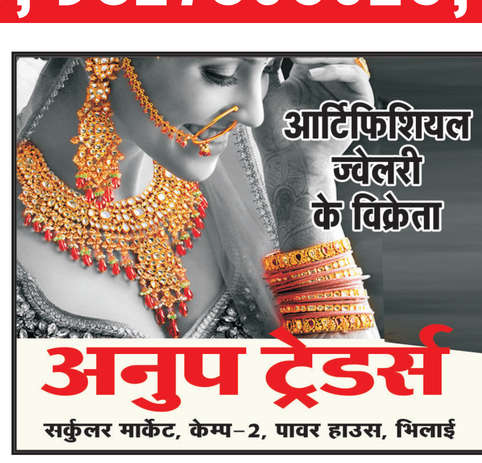

प्लास्टिक बैग्स की जगह इन इको-फ्रेंडली बैग का करें इस्तेमाल

प्लास्टिक बैग्स पर रोक लगाने के बाद भी देश में बड़े पैमाने पर इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। ये सस्ते और सुविधाजनक होने के कारण आज भी ज्यादातर घरों में पाए जाते हैं। हालांकि, प्लास्टिक बैग्स वातावरण के साथ-साथ हमारी सेहत को भी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में हमें सामान रखने के लिए अन्य इको फ्रेंडली बैग्स के विकल्पों को अपनाना चाहिए। आइए आज हम आपको ऐसे ही पांच बैग्स के बारे में जानते हैं।

कॉटन बैग

कॉटन फैब्रिक से बने से ये बैग्स कई आकार और स्टाइल में बाजारों में मौजूद हैं। ये अन्य बैग की तुलना में बहुत आरामदायक, हल्के, फैशनेबल और मुलायम होते हैं। यह काफी मजबूती से सिले होते हैं, इसलिए लंबे समय तक चलते हैं। कॉटन बैग के गंदे होने पर आप इसे दोबारा धोकर आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। अन्य बैग की तुलना में इसमें एक साथ कई सामान रखे जा सकते हैं।

जूट बैग

जूट बैग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता। बाजारों में आपको कई तरह के स्टाइलिश जूट बैग मिल जाएंगे, जिन्हें आप सब्जी या ग्रोसरी खरीदने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा आप जूट बैग्स को अपने पर्स की तरह भी इस्तेमाल कर सकती है। ये टियर प्रूफ बैग होते हैं, जो कागज या प्लास्टिक की तुलना में अधिक मजबूत होते हैं। इससे पर्यावरण को भी किसी तरह का नुकसान नहीं होता।

बैम्बू बैग

बैम्बू बैग बांस की लकड़ी से बने होते हैं, इसलिए इनका वजन थोड़ा सा भारी होता है। यह पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल होते हैं और इसे कई सालों तक इस्तेमाल किया जा सकता है। अन्य बैग की तरह बैम्बू बैग भी दिखने में स्टाइलिश और फैशनेबल होते हैं। अगर ये बैग गंदा हो जाए तो इसे साफ करना काफी आसान होता है।

पेपर बैग

बैग में सामान रखकर आने-जाने के लिए प्लास्टिक बैग की जगह पेपर बैग भी एक बेहतरीन विकल्प है। यह बायोडिग्रेडेबल बैग में सबसे ज्यादा उपयोग होने बैग्स में से एक है। बाजार में यह बैग बहुत आसानी से और सस्ते दामों में मिल जाते हैं। पेपर बैग पर्यावरण के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। इसलिए बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए पेपर बैग का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए।

डेनिम बैग

डेनिम बैग बहुत ही मजबूत होते हैं और भारी सामान ले जाने के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसे आप बाजार से खरीदने के बजाए अपनी पुरानी जींस या जैकेट को टेलर के पास देकर भी बैग बनवा सकते हैं। ये देखने में काफी स्टाइलिश लगते हैं, इसलिए डेनिम बैग को आप अपनी इच्छानुसार किसी भी जगह कैरी कर सकते हैं। इनके आसानी से फटने का डर नहीं होता और ये काफी लंबे समय तक चलते हैं।

कुछ ही मिनटों में बनाए जा सकते हैं ये पांच वीगन सैंडविच

वीगन डाइट में जानवर या जानवरों से उत्पादित खाद्य पदार्थ शामिल नहीं होते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि वीगन डाइट फॉलो करने वालों के पास खान-पान की चीजों के विकल्प कम होते हैं। वीगन स्नैक्स की बात करें तो लोग बर्गर और सैंडविच आदि का भी आनंद ले सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच वीगन सैंडविच की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें घर पर बनाना मिनटों का काम है।

टोफू मेयोनीज सैंडविच

यह वीगन सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में वीगन मेयोनीज, हल्दी पाउडर, सरसों, नमक, काली मिर्च और खमीर डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इसमें टोफू को क्रम्बल करके मिश्रण में मिलाएं और फिर इसमें बारीक कटा खीरा, बारीक कटा प्याज और बारीक कटा टमाटर मिलाएं। इसके बाद मेयोनीज वाले मिश्रण को ब्रेड स्लाइस पर फैलाएं और इसे अच्छा सुनहरा होने तक ग्रिल करें। इसके बाद मनपसंद चटनी के साथ गरमागरम परोसें।

चुकंदर और हम्मस सैंडविच

सबसे पहले कुछ चुकंदर, छोले, पेस्टो सॉस और तेल को एक साथ मिक्सी में पीसें। अब थोड़े छोले गरम तेल में तलें और उनके कुरकुरा होने पर एक प्लेट में निकाल लें। इसके बाद सलाद के पत्तों को पेस्टो सॉस के साथ टॉस करें और इसमें थोड़ा सिरका मिलाएं। अंत में दो ब्रेड स्लाइस के बीच में हम्मस लगाएं और फिर इस पर सलाद के पत्ते और तले हुए छोले रखकर परोसें।

एवोकाडो सैंडविच

सबसे पहले दो ब्रेड स्लाइस को टोस्ट करें। अब एक ब्रेड स्लाइस पर कटा हुआ खीरा, टमाटर, प्याज और सलाद पत्ता रखें और दूसरे ब्रेड स्लाइस पर पहले वीगन मेयोनीज फैलाकर लगाएं, फिर एवोकाडो को मैश करके लगाएं। आप चाहें तो वीगन मेयोनीज की जगह अपनी कोई पसंदीदा सॉस भी लगा सकते हैं। इसके बाद दोनों ब्रेड स्लाइस को एक दूसरे के ऊपर रखकर इसे परोसें।

वीगन बॉम्बे सैंडविच

सबसे पहले एक कटोरे में उबले हुए आलू, बारीक कटा पार्सले, बारीक कटा प्याज, बारीक कटी हरी मिर्च, नमक, हल्दी पाउडर, मिर्च पाउडर और औरिगैनो डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद एक कटोरी में पुदीने के पत्ते, नींबू का रस, दही, नमक और काली मिर्च को मिलाकर चटनी बना लें। अब दो ब्रेड स्लाइस पर चटनी को लगाएं, फिर इसके बीच में आलू के मिश्रण और सेव को लगाएं। अंत में सैंडविच को पैन-फ्राई करके गरमागरम परोसें।

ग्रिल्ड जुकिनी सैंडविच

सबसे पहले एक पैन में कटा हुआ प्याज, कटी हुई जुकिनी, कद्दूकस की हुई गाजर, हरी मिर्च, लहसुन और अदरक को भूनें। अब इसमें नमक, हल्दी पाउडर और काली मिर्च डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद दो ब्रेड स्लाइस पर थोड़ी मेयोनीज लगाएं और इनके बीच में जुकिनी वाला मिश्रण डालें। अंत में इस सैंडविच को ग्रिल करें और इसे गरमागरम परोसें।

टमाटर के जूस को अपनी डाइट में करें शामिल

मिलेंगे स्वास्थ्य से जुड़े कई फायदे

अमूमन लोग टमाटर का इस्तेमाल सब्जी या सलाद में करते हैं, लेकिन इसका जूस के रूप में भी सेवन किया जा सकता है। कच्चे टमाटर का जूस अपने आप में एक सुपरफूड है। यह विटामिन- ए, विटामिन- के, आयरन, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर होता है। अगर आप टमाटर के जूस को अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो इससे आपको त्वचा, बाल और पूरे स्वास्थ्य से जुड़े फायदे मिल सकते हैं। आइए इसके पांच प्रमुख फायदे जानें।

वजन कम करने में मिलेगी मदद

अगर आप रोजाना आधे या एक गिलास टमाटर के जूस का सेवन करते हैं तो यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ-साथ वजन घटाने में मदद कर सकता है। टमाटर के जूस में मौजूद सोडियम की कम मात्रा और उच्च फाइबर मेटाबॉलिज्म को तेज करके वजन कम करने की प्रक्रिया को बढ़ावा दे सकता है। इसमें मौजूद कम कैलोरी भी इसे वजन नियंत्रित करने के सक्षम बनाती है।

शरीर से विषाक्त पदार्थ करे दूर

लिवर और किडनी हमारे शरीर के डिटॉक्सिफिकेशन के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि ये दोनों अंग स्वस्थ अवस्था में रहें। टमाटर के जूस में मौजूद प्राकृतिक क्लोरीन लिवर और किडनी को ठीक से काम करने के लिए बढ़ावा दे सकता है और डिटॉक्सिफिकेशन की प्रक्रिया को बेहतर बना सकता है। अगर आप अपने शरीर से विषाक्त पदार्थ दूर करना चाहते हैं तो रोजाना एक गिलास घर पर बने ताजे टमाटर के जूस का सेवन करें।

हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा होगा कम

कोलेस्ट्रॉल का अनियंत्रित स्तर हृदय रोगों का खतरा बढ़ा सकता है। इसलिए इसे नियंत्रित रखना जरूरी है।

एक शोध के अनुसार, टमाटर का जूस पीने से हाई कोलेस्ट्रॉल का खतरा कम करने में मदद मिल सकती है। यह फाइबर से भरपूर होता है, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करके अच्छे कोलेस्ट्रॉल के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है।

त्वचा के लिए है अच्छा

रोजाना टमाटर के जूस को पीने से त्वचा को बहुत सारे फायदे मिल सकते हैं।

एक शोध के मुताबिक, टमाटर का जूस टैनिंग से छुटकारा दिलाने, त्वचा के बिगड़ते रंग का मुकाबला करने समेत मुंहासों का इलाज करने में सहायक साबित हो सकता है। इसके अतिरिक्त यह तैलीय त्वचा के अतिरिक्त सीबम के स्राव को भी नियंत्रित करता है।

बालों को रखे मजबूत

टमाटर के जूस में मौजूद विटामिन्स और आयरन रूखे और बेजान बालों में चमक लाने के साथ-साथ उन्हें स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। यह सिर की खुजली और डैंड्रफ जैसी कई बालों की समस्याओं से भी छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए अपने स्कैल्प और बालों में ताजा टमाटर का जूस लगाएं और 5-10 मिनट के बाद अपने सिर को शैंपू और पानी से धो लें।

मौसंबी में भरा हुआ है विटामिन- सी

इम्यूनिटी को मजबूत करने की है मानों खदान

मौसंबी का जूस पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। क्योंकि मौसंबी कई सारे पोषक तत्व के गुणों से भरपूर होता है। रोजाना मौसंबी का सेवन करने से शरीर में होने वाली कमजोरी की समस्या दूर हो जाती है। शरीर को ताकत देने में मदद करती है। मौसंबी का जूस पीने के बहुत सारे लाभ हैं।

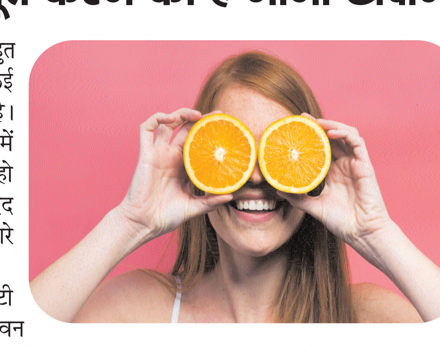

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए मौसंबी का जूस का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद साबित होता है। क्योंकि मौसंबी में विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद करती है। इसलिए नियमित रूप से मौसंबी का जूस का सेवन करने से इम्यूनिटी बेहतर होती है।

मौसंबी का जूस का सेवन आपकी आंखों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि मौसंबी में विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में फायदेमंद होती है। आंखों को स्वस्थ रखने में विटामिन सी अहम भूमिका निभाता है। आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए मौसंबी के जूस का सेवन जरूर करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, त्वचा के लिए मौसंबी का जूस का सेवन करना बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि मौसंबी में विटामिन सी की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद होती है। ये आपकी त्वचा को इंफेक्शन से बचाकर रखता है। साथ ही त्वचा को चमकदार भी बनाता है। हड्डियों की समस्या अक्सर बढ़ती उम्र के साथ सामने नजर आने लगती हैं। लोग ऑस्टियोअर्थराइटिस, रुमेटाइड अर्थराइटिस से ग्रस्त हो जाते हैं। ये सभी प्रतिरक्षा कोशिकाओं के कारण टिशूज में इंफ्लेमेशन होने का परिणाम है।

विटामिन सी और फोलिक एसिड से भरपूर मौसंबी का जूस हड्डियों को मजबूती देता है और जोड़ों की कार्यक्षमता को सुधारता है। मौसंबी का जूस का सेवन करना पाचन के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है क्योंकि मौसंबी में फ्लेवोनोइड्स गुण पाए जाते हैं जो पाचन में बेहतर बनाने में मदद करते हैं। साथ ही अपच और गैस्ट्रिक समस्याओं को दूर रखने में मदद करते हैं। इसलिए पाचन संबंधी समस्याओं से दूर करने के लिए मौसंबी का जूस का सेवन जरूर करें।

लंबे समय तक बैठे रहने से सेहत को हो सकते हैं ये नुकसान

ऑफिस में लगातार आठ से 10 घंटे तक लगातार बैठकर काम करने से आपकी सेहत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। लोग घंटों कंप्यूटर के सामने बैठकर बगैर ब्रेक के काम कर रहे हैं। इस कारण वो सिर से लेकर पैरों तक कई बीमारियों से ग्रस्त हो सकते हैं। आज हम आपको लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने से स्वास्थ्य को होने वाले पांच नुकसान के बारे में बताते हैं।

हृदय की समस्याएं

विशेषज्ञों के अनुसार, जो लोग लंबे समय तक बैठे रहते हैं उनमें दिल का दौरा पड़ने या स्ट्रोक से पीड़ित होने का लगभग 147 प्रतिशत जोखिम अधिक होता है। लॉफबोरो विश्वविद्यालय और लीसेस्टर विश्वविद्यालय द्वारा 2011 में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला है कि जो लोग लंबे समय तक बैठकर काम करते रहते हैं, उनमें हृदय रोगों से मृत्यु में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इसके अलावा ब्लड प्रेशर की समस्या और कोलेस्ट्रॉल का खतरा भी बढ़ता है।

इम्यून सिस्टम पर पड़ता है असर

लंबे समय तक बैठकर काम करने से आपका इम्यून सिस्टम भी ठीक तरह से काम नहीं कर पाता है। ऐसे में अगर आप एक्सरसाइज नहीं करेंगे तो इम्यून सिस्टम सही तरीके से काम करना बंद कर देता है। एक्सरसाइज शरीर की कोशिकाओं को मजबूती देकर इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाती है। इसलिए लंबे समय तक बैठकर जॉब करने वाले लोगों को एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है।

वजन बढ़ना

जब आप चलते-फिरते रहते हैं तो आपकी मांसपेशियां लिपोप्रोटीन लाइपेस जैसे अणु छोड़ती हैं, जो आपके शरीर में मौजूद फैट, कैलोरी और शुगर को संशोधित करने में सहायता करती हैं। लेकिन जब आप केवल बैठे रहते हैं, तो ये अणु शरीर के अंदर ही रह जाते है, जिससे वजन बढ़ता है। इसलिए जो लोग अधिक समय तक बैठकर काम करते रहते हैं, उनका वजन भी ज्यादा होता है।

गर्दन, पींठ और कंधे में दर्द या जकड़न

गर्दन, पीठ, कंधे और घुटनों समेत शरीर के कई अंगों में जकड़न और असहनीय दर्द होने लगता है क्योंकि आप लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं। ऐसे में आपके शरीर में ब्लड सर्कुलेशन धीमा हो जाता है। लगातार बैठने से आपकी पीठ पर भी भारी दबाव पड़ता है, खासकर तब जब आप दिन भर खराब मुद्रा में बैठे रहते हैं। अगर आप इस पर ध्यान नहीं देंगे तो पोस्टुरल सिंड्रोम का खतरा बढ़ सकता है।

दिमाग पर असर

लोगों को लगता है कि लंबे समय तक बैठकर काम करने से सिर्फ शरीर पर ही असर पड़ता है, लेकिन ऐसा नहीं है। स्टडी के मुताबिक, लंबे समय तक बैठे रहने से दिमाग में नई मेमोरीज बनाने वाले पार्टिकल्स पर बुरा असर पड़ता है। इससे आपकी याद्दाश्त भी कमजोर होती है। इसके अलावा हृदय रोग, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रोल की भी समस्या होती है, जो आपके दिमाग की समस्या में असर डालते हैं।

Hero
Authorised Dealer
KGN HERO
9907999822, 7974074371
Junwani Road, Near By Falaknuma Masjid, Kohka, Bhilai, E-Mail:kgnhero06@gmail.com

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

पीएमजीएसवाय ने शुरू किया ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण व मरम्मत कार्य

रायगढ़। रायगढ़ जिले में सड़कों का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। इसी कड़ी में पीएमजीएसवाय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भी सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत कार्य चल रहा है।
पीएमजीएसवाय के ईई श्री मिंज ने जानकारी देते हुए बताया कि पुसौर विकासखण्ड के रायगढ़ पुसौर रोड से अमलीपाली तक तथा औरदा से महुआपाली तक सड़क नवीनीकरण कार्य की तैयारी चल रही है एवं पीएमसी का कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार रायगढ़ पुसौर सड़क से आमापाली तक सील कोट कार्य पूर्ण हो गया है। रायगढ़-कनकतुरा रोड से केशला तक सड़क निर्माण कार्य किया जाएगा एवं पुसौर बरमकेला रोड से सराईपाली तक बीटी सड़क निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इसी तरह रायगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत रायगढ़ कोतरारोड से बरमुड़ा, संबलपुरी चौक-कोलाईबहाल से सराईपाली, संबलपुरी कोलाईबहाल रोड से सपनई, रायगढ़ कोलाईबहाल रोड से डूमरपाली,कुकुर्दा से नवापारा, एनएच-200 से खैरपुर, रायगढ़ खरसिया रोड से कोसमपाली तक बीटी एवं सीसी रोड का निर्माण होने जा रहा है।

रायपुर में 20वां निःशुल्क नियमित योगाभ्यास केंद्र खुला

रायपुर। योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने बुधवार को राजधानी रायपुर के 20वें निःशुल्क योगाभ्यास केन्द्र का शुभारंभ किया। छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा रायपुर के शहीद पंकज विक्रम वार्ड क्र. 58 के नरैया तालाब गार्डन, टिकरापारा, रायपुर में यह केंद्र शुरू किया गया है। उल्लेखनीय है कि योग आयोग द्वारा रायपुर नगर निगम नियमित योगाभ्यास कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के नागरिकों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने तथा उनके दिनचर्या में योग को शामिल करने के उद्देश्य से लगातार शहर के विभिन्न स्थानों में निःशुल्क योगाभ्यास केन्द्र प्रारंभ किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा अनुसार योग के प्रचार प्रसार तथा इसका लाभ आमजनों तक पहुंचने के लिए छत्तीसगढ़ योग आयोग निरंतर प्रयासरत व प्रतिबद्ध है। सभी लोगों की सहभागिता व सहयोग नियमित योगाभ्यास केंद्र की सफलता हेतु महत्वपूर्ण है।

योजनाएं बताकर बेरोजगारों को गोठानों में काम दें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. रवि मित्तल ने महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के संबंध में बैठक ली। इस दौरान रीपा के कार्य योजना की जानकारी लेते हुए उन्होंने जिले में चिह्नांकित गोठानों की भी जानकारी लेकर स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना में शामिल है इसका जिले में बेहतर क्रियान्वयन करना है।

शासन की मंशा है कि गोठानों से जुड़े समूह को उद्योग से जोड़कर आर्थिक लाभ दिया जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ जितेन्द्र यादव, वन मण्डलाधिकारी जितेन्द्र उपाध्याय, युवा वैज्ञानिक समर्थ जैन, वन विभाग, कृषि विभाग, उद्यान, पशुपालन, उद्योग विभाग, कौशल विकास, लाइवलीहुड, एनआरएलएम के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने आरईएस विभाग को चिह्नांकित गोठान का निरीक्षण कर राजस्व विभाग के माध्यम से सीमांकन करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सबसे पहले गोठान का तार, घेराव, महिलाओं के लिए शेड, पानी, बिजली और गार्ड रूम की व्यवस्था के अनुसार कार्य योजना तैयार करें। 16 नवंबर तक किसी भी स्थिति में अनिवार्य रूप से काम चालू करें और साइट के अनुसार ले आउट तैयार करें। सभी गोठानों में लगभग तीन एकड़ में रीपा तैयार किया जाना है उसी के अनुरूप तैयारी शुरू कर दें। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि कांसाबेल विकासखंड के बगिया में मसाला उत्पादन, केंचुआ, चेतबा में रेशम, पालन पोहा उत्पादन, मनोरा आस्था पानी बोतल पैकिंग की गतिविधि चल रही है। इसी तरह सोनक्यारी में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, पोहा बनाने की विधि पर महिलाएं काम कर रही है।

दुलदुला के गोठानों में टेंट हाउस, बर्तन किराए, मशरूम उत्पादन, कोरना में मिट्टी के बर्तन बनाने और कुनकुरी के गिनाबहार में त्रिफला चूर्ण, पत्थलगांव के पालीडीह में हैचरी में तिखुर, बहनाटागर में टमाटर कैचअप, बटेर पालन जैसे विभिन्न गतिविधियां वर्तमान में संचालित हो रही है।

1.44 हेक्टेयर में बनेगा सर्व सुविधायुक्त स्टेडियम

राज्यपाल सुश्री उइके ने उज्जैन में दशहरा मैदान स्टेडियम का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने उज्जैन प्रवास के दौरान आज नगर निगम उज्जैन द्वारा प्रस्तावित दशहरा मैदान स्टेडियम का भूमिपूजन किया और इस बहुप्रतिक्षित निर्माण के प्रारंभ होने पर नगरवासियों को शुभकामनाएं दी। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल सुश्री उइके ने इस सार्थक पहल के लिए मध्यप्रदेश सरकार और नगर निगम उज्जैन को शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने कहा कि स्टेडियम का निर्माण न केवल युवाओं की खेल क्षमता को बढ़ाने में सहायक होगा बल्कि खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की एकजुटता का भी एक बड़ा केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि शहर में अन्य जरूरी अधोसंरचनाओं की तरह खेल के लिए भी एक समर्पित स्थान होना बहुत जरूरी है। उज्जैनवासियों के लिए स्टेडियम इस कमी को दूर करेगा। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि बच्चे, युवा विद्यार्थी और खेल प्रेमियों के लिए यह स्थान मनोरंजन का केंद्र बनेगा। साथ ही खिलाड़ी सतत् अभ्यास के माध्यम से अपनी खेल प्रतिभा और क्षमता निखारने में अपनी ऊर्जा का सदुपयोग कर पाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने खेल को शासन की प्राथमिकताओं में शामिल किया है। इसके लिए अधोसंरचना के विकास के साथ-साथ खिलाड़ियों को उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। खेल और खिलाड़ियों के हित में लिए गए निर्णयों के कारण ही पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेकों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रतिस्पर्धाओं में सफलता हासिल की है। खेलो इंडिया की पहल से पिछले कुछ वर्षों में भारतीय युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने के लिए एक नया मंच मिला है। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि मैं हमेशा युवाओं से संवाद करती रहती हूं और उनसे कहती हूं कि उनकी ऊर्जा ही देश की सबसे बड़ी शक्ति है। युवा जिस भी क्षेत्र में कार्य करें, उन्हें अपनी ऊर्जा का सदुपयोग राष्ट्रहित में करना चाहिए और यह बात खिलाड़ियों के लिए भी लागू होती है। जब खिलाड़ी अपना बेहतर प्रदर्शन कर देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने का कार्य करते हैं, तो देश को नई पहचान मिलती है। भारत के युवाओं में क्षमता का अभाव नहीं है बस हमें अधिक से अधिक अवसर सृजित कर युवाओं को साथ जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मैं अत्यंत गर्वित महसूस करती हूं, जब हमारी बेटियां देश के लिए पदक या कोई अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा जीत कर आती है। इसलिए हमें खेल के क्षेत्र में भी बेटे-बेटियों के फर्क को दूर करना होगा और उन्हें समान अवसर उपलब्ध करवाने होंगे। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों के समान मैच फीस देने के हाल ही में लिए गए ऐतिहासिक निर्णय की मैं खूब सराहना करती हूं। हमें हर तरीके से असमानताओं को दूर करना होगा, बेटियों की प्रतिभा को अवसर मिले तो वे समाज और देश को सदैव गौरवान्वित करेंगे।

स्कूली बच्चों की स्पीड रीडिंग एवं मौखिक गणित की राज्यस्तरीय प्रतियोगिता 16 नवंबर को

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में संचालित प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के स्कूली बच्चों की स्पीड रीडिंग और मौखिक गणित की राज्यस्तरीय प्रतियोगिता 16 नवंबर को राजधानी रायपुर में होगी। इसमें 5 संभागों के चयनित 40 विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और जिला मिशन समन्वय को प्रतियोगिता आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि 16 नवंबर को स्पीड रीडिंग एवं मौखिक गणित में संभाग स्तर पर विजयी प्राथमिक और मिडिल स्कूल स्तर के प्रतिभागियों को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए रायपुर लाना सुनिश्चित करें।

जिला एवं संभाग स्तर पर चयनित विद्यार्थी स्पीड रीडिंग के मामले में और मौखिक गणित के सवालों को हल करने के मामले में बहुत अच्छे स्तर के होने चाहिए। प्रत्येक जिले से चयनित विद्यार्थियों के नाम एवं विवरण राज्यस्तर पर प्रतियोगिता में आने वाली टीम के साथ भेजा जाए। सफल आयोजन के लिए जिलों में कार्यरत पीएमयू को भाषा, गणित एवं टेक्नालॉजी के उपयोग तथा ऑनलाइन प्रतियोगिता के आयोजन के लिए लिया जाए।

प्रबंध संचालक समग्र शिक्षा द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि समय की कमी को ध्यान में रखते हुए स्कूल स्तर पर इन प्रतियोगिता का आयोजन करना कठिन होगा। अतः प्रतियोगिता में स्वेच्छा से शामिल होने के लिए स्कूलों को अवसर प्रदान करें। जिन शालाओं में शिक्षक अपने बच्चों के साथ अच्छी मेहनत करते हैं, उन्हें लगता है कि उनके बच्चों की स्पीड रीडिंग एवं मौखिक गणित में अच्छी पकड़ है, केवल उन्हीं स्कूलों को इसमें शामिल होने का अवसर दें।

इस प्रतियोगिता में स्कूलों को शामिल होने की बाध्यता नहीं होगी, परंतु इस अवसर का लाभ उठाते हुए सभी स्कूलों में भी इन दोनों प्रतियोगिताओं का आयोजन अवश्य करवाया जाए। विकासखण्ड स्तर पर स्वेच्छा से प्रतियोगिता में शामिल होने वाले स्कूलों और उनके द्वारा नामांकित बच्चों के नाम मंगवाते हुए 11 नवंबर को ऑनलाइन माध्यम से दोनों प्रतियोगिताओं में प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर दें।

पढ़ाई से जोड़े खुद को, दूरी बनाएं सोशल मीडिया से

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। अपराध नियंत्रण के साथ-साथ पुलिसिंग को लेकर काम कर रही बांकीमोंगरा पुलिस ने सामाजिक क्षेत्र में अपनी सक्रियता का एहसास कराना जारी रखा है। हमर बेटी हमर मान अभियान को गति देने के साथ पुलिस विद्यार्थियों के साथ जुड़ रही है। बांकीमोंगरा के एक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों से आह्वान किया गया कि वे अपने आपको सिर्फ और सिर्फपढ़ाई से जोड़ें न कि सोशल मीडिया से।

राज्य सरकार ने महिला सुरक्षा के मामले में कई प्रकार की कोशिश की है और अभियान शुरू किये हैं। इनके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी पुलिस को दी गई है। इस बारे में पुलिस के अधिकारी और उनकी टीम किस तरीके से काम कर सकती है, यह उन्हें खुद सोचना है। कुछ इलाकों में अधिकारी अपने विवेक से काम ले रहे हैं और विद्यार्थी वर्ग के बीच उदाहरण बन रहे हैं।

कोरबा जिले के कोयलांचल बांकीमोंगरा में कुछ विद्यालयों के छात्रों के साथ मिलकर पुलिस ने अभियान के अंतर्गत रैली निकाली। महिला सुरक्षा और शिक्षा की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया गया। सनसाइन स्कूल परिसर में मंचीय कार्यक्रम किया गया। विद्यालय के प्राचार्य ने भूमिका प्रस्तुत की और सारगर्भित बात रखी। थाना प्रभारी अभिनवकांत सिंह ने विद्यार्थियों से यहां संवाद किया। उन्होंने साइबर क्राइम से संबंधित स्वरूप चुनौती और इसके दुष्परिणाम के बाबत् विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने मुख्य रूप से इस बात पर जोर दिया कि पालक और अभिभावक कई तरह की कठिनाईयों का सामना करने के साथ बच्चों को विद्यालय भेजते हैं ताकि वे राष्ट्र के लिए जिम्मेदार नागरिक बन सकें। बच्चों को यह बात पूरी गंभीरता से समझनी होगी। उन्हें कुल मिलाकर पूरा ध्यान पढ़ाई पर लगाना होगा। अतिविशेष और जरूरी होने पर ही वे मोबाइल का उपयोग करें लेकिन सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सक्रियता दिखाने से बचें। इसके दुष्परिणाम थाना प्रभारी ने बताए। उन्होंने कहा कि इसमें कई प्रकार के जोखिम हैं और जरा सी असावधानी उनके लिए परेशानी पैदा कर सकती है। उन्होंने बच्चों को संकल्प दिलाया कि वे स्कूल आने के साथ गुरुजनों के द्वारा दिए जा रहे मार्गदर्शन को ग्रहण करेंगे और अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के साथ उदाहरण बनेंगे। स्थानीय इलाके में पुलिस की यह पहली ऐसी पहल रही जिसे सहज रूप से स्वीकार किया गया। कार्यक्रम में सब इंस्पेक्टर माधव तिवारी, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और मीडिया के लोग उपस्थित रहे।

राजीव युवा मितान क्लब के माध्यम से किये जा रहे जनहित के अनेक कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। राज्य शासन द्वारा शुरू की गई राजीव युवा मितान क्लब योजना युवा शक्ति को संगठित कर तथा उनके प्रतिभा को तराशकर उनके असीमित ऊर्जा एवं प्रतिभा का उपयोग समाजहित के विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यो में करने कारगर माध्यम बन गया है। जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायतो एवं नगरीय निकायों के सभी वार्डो में गठित राजीव युवा मितान क्लब छत्तीसगढ़ की संस्कृति, खेल, कूद तथा पर्यावरण के संरक्षण व संवर्धन के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के अलावा शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओ के प्रचार-प्रसार तथा रक्तदान स्वच्छता अभियान जैसे शासन अनेक महत्वपूर्ण योजना एवं कार्यक्रमो को अमलीजामा पहनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उल्लेखनीय है कि जिले के 435 ग्राम पंचायतो एवं 28 नगरीय निकायो के वार्ड सहित जिले में कुल 463 राजीव युवा मितान क्लब गठित की गई हैं। इन सभी राजीव युवा मितान क्लब को रचनात्मक गतिविधियों के संचालन के लिए प्रथम किश्त के रूप में 25-25 हजार रूपए के हिसाब से प्रथम किश्त के रूप मे जिले के सभी 463 राजीव युवा मितान क्लब को कुल 1 करोड़ 11 लाख 75 हजार रूपए किया जा चुका है। सभी राजीव युवा मितान को एक साल में रचनात्मक गतिविधयों के लिए एक लाख रूपए दिए जायेंगे। जिले के सभी राजीव युवा मितान क्लबों के द्वारा खेल कूद की गतिविधयां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसके अलावा राजीव युवा मितान क्लब के द्वारा छत्तीसगढ़िया ओलंम्पिक, रक्तदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, तीजा-पोरा उत्सव, कोरोना टीकाकरण के कार्य तथा वोटर आईडी लिंक कराने जैसे विभिन्न कार्यो को सफलतापूर्वक संपादित कर अपने गठन के उदेश्यों को सफलीभूत किया हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजीव युवा मितान क्लब के उद्देश्यो के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के सपने को साकार करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में राजीव युवा मितान क्लब योजना की शुरूवात की गई है। इसका उद्देश्य राज्य के युवाओं के प्रतिभा को तराशकर एवं उन्हे संगठित करते हुए उन्हें उपयुक्त मंच प्रदान कर तथा उनके ऊर्जा का उपयोग नवा छत्तीसगढ़ राज्य को गढ़ने मे करना हैं। विदित हो कि युवा शक्ति राज्य के विकास के लिए महत्वपूर्ण पूंजी हैं। राज्य की युवा शक्ति को संगठित करने और उन्हें रचनात्मक कार्यों से जोड़ने का यह क्रांतिकारी कदम है।

विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन करेंगे राजस्व मंत्री

कोरबा। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल नगर निगम कोरबा के बांकीमोंगरा जोनांतर्गत वार्ड क्र. 64 एवं 67 में विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे, कार्यक्रम की अध्यक्षता कटघोरा विधायक एवं छ.ग.मध्यक्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पुरूषोत्तम कंवर द्वारा की जाएगी तथा कार्यक्रम में सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत एवं महापौर राजकिशोर प्रसाद गेस्ट आफआनर होंगे, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति श्यामसुंदर सोनी, मेयर इन काउंसिल के सदस्य, पार्षद व एल्डरमेनगण उपस्थित रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वार्ड क्र. 64 पटवारी आफिस के पास दोपहर 12 बजे एवं वार्ड क्र. 67 गजरा में दोपहर 01 बजे भूमिपूजन कार्यक्रम रखा गया है।

खास खबर

लिफ्ट में फंसकर युवक की मौत

रायपुर। माना थानाक्षेत्र के डूमरतराई थोक बाजार में एक दुकान में काम करने वाले युवक की लिफ्ट में फंसकर दर्दनाक मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार माना के डुमरतराई स्थित स्टील एम्पोरियम नामक दुकान में काम करने वाला भनपुरी निवासी प्रकाश यादव उम्र 35 वर्ष काम करता था। गुरूवार दोपहर करीब 12 बजे वह लिफ्ट से समान लेकर ऊपर गया था जिसके बाद वह नीचे वापस आ रहा तथा इसी दौरान उसका पैर लिप्ट में फंस गया और लिफ्ट शुरू हो गई। जिससे वह और बुरी तरह लिफ्ट में फंस गया। इस हादसे में उसे गम्भीर चोट आई। युवक को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया किंतु उसकी मौत चुकी थी। फिलहाल माना थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बाईक सवार से तीन लाख की उठाईगिरी

रायपुर। राजधानी के कैनाल रोड में दिनदहाड़े एक कंपनी के इंजीनियर के साथ तीन लाख रूपए की उठाईगिरी हो गई। पीड़ित ने अज्ञात लोगों ने खिलाफसिविल लाईन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार सिविल लाइन इलाके में हिताची पेमेंट सर्विसेस के एटीएम मशीन इंजीनियर नितिन राठौर मरीन ड्राइव स्थित आईसीआईसीआई बैंक से तीन लाख रूपये निकालकर जा रहा था। इसी दौरान कैनाल रोड पर कुछ लोगों ने उसे पीछे से आवाज लगाई की उसकी बाइक का पार्टस गिर गया है। यह सुनकर नितिन बाईक रोक कर उतर कर देखने लगा और इसी दौरान एक व्यक्ति ने उसे बातों मे उलझाये रखा तथा किसी ने इतने में ही नोटो से भरा बैग पार कर दिया। जिसके बाद घटना की जानकारी होने पर नितिन ने इसकी सूचना सिविल लाईन थाने में दी। इस घटना में दो संदिग्धों की तस्वीर भी सामने आई है जिसके आधार पर पुलिस मामले में पतासाजी कर रही है।

असमाजिक तत्वों ने कार में लगाई आग

अम्बिकापुर। शहर के गाँधीनगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत चोपड़ापारा काली मंदिर के पास असामाजिक तत्वों ने बीती रात एक होंडा सिटी कार में आग लगा दी। मामले की जानकारी होने पर पुलिस जांच में जुटी है। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात प्रदेश के मंत्री अमरजीत भगत के करीबी श्याम लाल जायसवाल के घर के सामने खड़ी कार में असामाजिक तत्वों ने लगा दी गई है। वहीं आग लगाने की तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। और इस मामले की सूचना पुलिस थाने मे दी गई। जिसके बाद सीसीटीवी के आधार पर पुलिस आरोपियों की खोजबीन में जुटी है। मामलें में कांग्रेस नेता श्याम लाल जायसवाल ने पुलिस को बताया कि देर रात अज्ञात नंबर से कई बार उन्हें कॉल आया।

70 लाख की ठगी करने वाला फर्जी अफसर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में अपने आप को एंटी करप्शन ब्यूरो का अफसर बताकर नौकरी लगाने के नाम पर 70 लाख रुपए की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। कई महीनों से फरार आरोपी ने हरिद्वार के शांतिकुंज आश्रम को सुरक्षित ठिकाना बना लिया था। शहर के एक प्रशासनिक अधिकारी जब परिवार के साथ टूर पर शांतिकुंज आश्रम पहुंचे, तब उन्होंने आरोपी को पहचान कर पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने आश्रम में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर ले आई है। मामला सिविल लाइन थाने का है।

ओडिशा के मयूरगंज जिला अंतर्गत तेतुलिंगा में रहने वाली पल्लवी पांडा (28) जब साल 2016 में वह होम्योपैथी की पढ़ाई कर रही थी। इस दौरान वह नेहरू नगर के गणेश चौक स्थित रेकी सेंटर में उपचार पद्धति सीखने के लिए जाने लगी। रेकी सेंटर के संचालक थानेश्वर प्रसाद शर्मा (55) ने उसे खुद को एंटी करप्शन ब्यूरो का अफसर बताया। उसने युवती और उसके पिता को मेडिकल ऑफिसर पद पर नौकरी लगाने का झांसा दिया। युवती उसकी बातों में आकर उसे 9 लाख रुपए दे दी। लेकिन, उसने नौकरी नहीं लगवाई। इस बीच थालेश्वर प्रसाद शर्मा फरार हो गया।

इससे पहले उसने इसी तरह जबड़ापारा में रहने वाले कॉलेज संचालक अशोक कुमार पांडेय के परिवार के सदस्यों को शासकीय नौकरी लगाने का दावा किया था और 15 लाख रुपए वसूल लिया था। पुलिस दोनों मामलों में अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही थी। लेकिन, आरोपी फरार मिला। इस दौरान पुलिस की टीम ने उसके दुर्ग के मोहननगर और सकरी के ठिकानों में भी दबिश दी थी। कुछ दिन पहले बिलासपुर से एक प्रशासनिक अफसर अपने परिवार के सदस्यों को लेकर टूर पर उत्तराखंड गए थे। तभी हरिद्वार के शांतिकुंज आश्रम में उन्होंने ठग को देखकर पहचान लिया। उन्होंने सिविल लाइन ञ्चड्ढ परिवेश तिवारी को उसकी तस्वीर भेज कर पहचान कराई। आरोपी की पुख्ता पहचान होने के बाद ञ्चड्ढ तिवारी ने स्स्क्क पारुल माथुर को इसकी जानकारी दी और पुलिस की टीम को हरिद्वार भेजा।

पुलिस की टीम फर्जी-ष्टक्क अफसर को खोजते हुए जब हरिद्वार के शांतिकुंज आश्रम गई, तब वह धोती-कुर्ता पहने टीका लगाए मिला। आरोपी थालेश्वर प्रसाद आश्रम के देवात्म मंदिर के साधना गृह में तंत्र साधना कर रहा था। टीम ने उसे पकड़कर अपनी पहचान बताई और उसे गिरफ्तार करने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिसकर्मी उसे लेकर बिलासपुर आ गए।

परिवेश तिवारी ने बताया कि, आरोपी थालेश्वर प्रसाद शर्मा के खिलाफ सिर्फ दो लोगों ने करीब 25 लाख रुपए वसूली कर धोखाधड़ी करने का केस दर्ज कराया है। जबकि, उसने 15 से 20 लोगों से 70 लाख रुपए से अधिक की वसूली की है। उसकी गिरफ्तारी के बाद कई शिकायतकर्ता सामने आएंगे। फिलहाल पुलिस आरोपी से घटना के संबंध में पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है। इसके लिए उसे दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपी थालेश्वर प्रसाद इतना शातिर ठग था। वह खुद को सेंट्रल-ष्टक्क का अधिकारी बताता था, और दफ्तर पूछने पर ऑफिस गोपनीय होने की बात कहता था। उसने कई सालों तक लोगों को उपचार क्रिया सिखाने व उनका इलाज करने के बहाने अपने झांसे में लेता रहा, और फिर सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे लेने लगा। जब उसे लगा कि, उसका भांडा फूटने वाला है तो वह फरार हो गया।

मूक-बधिर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। जैजैपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग मूक-बधिर लड़की से रेप करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नाबालिग 6 महीने की गर्भवती है, जिसका गर्भपात भी नहीं कराया जा सकता है। पुलिस ने बताया कि पीड़िता मानसिक रूप से भी कमजोर है।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी चमरा राम यादव (42 वर्ष) ने अपने पड़ोस में रहने वाल एक नाबालिग और मूक-बधिर और मानसिक रूप से कमजोर लड़की के साथ दुष्कर्म किया तथा उसे गर्भवती कर दिया। पुलिस के अनुसार लड़की की हालत का फायदा उठाकर आरोपी लंबे समय से उसका यौन शोषण कर रहा था। इसी बीच वो गर्भवती हो गई, लेकिन डर के कारण उसने अपने घरवालों को इस बात की जानकारी नहीं दी। नाबालिग के पिता का बहुत पहले किसी बीमारी से निधन हो चुका है। वो अपनी मां और भाई-बहनों के साथ रहती है। छोटी बहन ने अपनी बड़ी बहन के हावभाव में बदलाव देखा। वो अक्सर बीमार भी रहने लगी थी, जिसके बाद छोटी बहन ने किसी तरह से पीड़िता से पूछताछ की। तब जाकर पीड़िता ने अपने साथ हुई घटना को इशारों में बताया। उसने पड़ोसी चमरा राम यादव के बारे में भी इशारे से छोटी बहन को जानकारी दी पीड़ित परिवार ने बताया कि घर में अकेली पाकर पड़ोसी उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म करता था। पुलिस ने बताया कि मां मजदूरी करके बच्चों का पेट पाल रही है, वहीं आरोपी भी मजदूरी करता है। आरोपी के 6 बच्चे हैं और सभी बालिग हैं। लड़की को 24 से 26 हफ्ते का गर्भ है। उसकी जांच जिला अस्पताल जांजगीर में कराई गई है। सूचना के बाद जैजेपुर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है तथा आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

देशी शराब की बोतल में अब मिला गुटखे का पाउच

इससे पहले निकला था मरा हुआ सांप और मेंढक

आबकारी विभाग ने माना गंभीर है मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले में देशी शराब की बोतल में मेंढक मिलने के बाद अब गुरुवार को गुटखे का पाउच भी मिला है। इससे पहले जांजगीर-चांपा के पामगढ़ में शराब की बोतल के अंदर मरा हुआ करैत सांप मिला था। बार-बार सीलबंद देशी शराब की बोतल में इस तरह कुछ न कुछ मिलने से शराब प्रेमियों में भारी आक्रोश है। मामला कुसमुंडा थाना क्षेत्र का है। कोरबा के कुसमुंडा इलाके के भुट्टा चौक स्थित देशी शराब की दुकान से कुछ युवकों ने शराब खरीदी।

दुकान परिसर से कुछ ही दूरी पर वे शराब पीने के लिए बैठे। इनमें से एक युवक ने जैसे ही शराब की बोतल देखी, उसमें गुटखे का पाउच तैरता हुआ दिखाई दिया। युवकों ने उसकी तस्वीर खींचकर उसे व्हाट्सएप पर वायरल कर दिया। जानकारी मिलने पर मीडिया ने भी युवकों से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने नाम नहीं छापने की शर्त पर पूरी जानकारी दी। इधर फोटो वायरल होने के बाद शराबप्रेमियों ने कहा कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की जा रही है।

वहीं मामले में आबकारी अधिकारी जीएस पैकरा का कहना है कि डिस्टलरी के खिलाफ कार्रवाई के लिए कमिश्नर को पत्र लिखा गया है। एक के बाद एक शराब की शीशी में कभी सांप, कभी मेंढक तो कभी गुटखे का पाउच मिलना गंभीर मामला है। पूरी जांच के बाद जिसकी भी लापरवाही सामने आएगी, उस पर कार्रवाई की जाएगी।

अभी दो दिन पहले ही जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ में देसी शराब की बोतल में जहरीला मरा हुआ सांप मिलने का मामला सामने आया था। इसका वीडियो भी जमकर वायरल हुआ था। बोतल के अंदर मरे हुए सांप की पहचान करैत के रूप में हुई थी। सोनसरी निवासी वीरेंद्र दास ने जैसे ही शराब की बोतल खोली, उसके अंदर मरा हुआ सांप दिखाई दिया था।

इधर पामगढ़ के देसी शराब दुकान के सेल्समैन शिव दयाल बर्मन ने बताया था कि शराब कार्टन में भरकर आता है। उसमें सील लगी हुई होती है। उन्होंने कहा कि ये शराब भी जांजगीर के वेयर हाउस से आई थी। बोतल पर 14 अक्टूबर 2022 की सील भी लगी हुई थी। सांप उसके अंदर कैसे आया और सीलबंद करते वक्त किसी की नजर उस पर क्यों नहीं पड़ी, इस बारे में सेल्समैन ने जानकारी होने से इनकार कर दिया था।

इससे पहले कोरबा जिले में शराब की बोतल में मरा हुआ मेंढक मिलने का मामला सामने आया था। जिसका वीडियो भी जमकर वायरल हुआ था। करीब 18 दिन पहले हरदी बाजार में संचालित देसी शराब दुकान से शख्स शराब लेकर गया था। बोतल में मरा हुआ मेंढक दिखने के बाद ग्राहक ने इसकी शिकायत दुकान के सेल्समैन से की थी, जिसके बाद उसे दूसरी नई शराब की बोतल दी गई थी।

विचाराधीन कैदी फरारः नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में जेल में था बंद

इलाज के लिए अस्पताल लाने पर दीवार फांदकर भागा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कवर्धा जिला जेल का विचाराधीन कैदी जेल प्रहरी और स्टाफको चकमा देकर फरार हो गया। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। टॉयलेट जाने का बहाना बनाकर वो अस्पताल से फरार हो गया। फिलहाल उसकी तलाश की जा रही है। कैदी को 31 अक्टूबर को कुकदूर पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

जानकारी के मुताबिक, विचाराधीन कैदी सन्नी चौरसिया (20 वर्ष) की तबियत 7 नवंबर को अचानक से खराब हो गई थी। बीमार होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उसे सामान्य वार्ड में अन्य मरीजों के साथ रखा गया था। जेल प्रहरी उसकी निगरानी कर रहे थे। इसी बीच गुरुवार शाम करीब 6.40 बजे वो टॉयलेट के बहाने दीवार फांदकर अस्पताल से भाग निकला। इसके बाद पुलिस ने तुरंत उसकी तलाश शुरू की। जेल प्रहरी ने उच्चाधिकारियों को कैदी के भागे जाने की सूचना दी है। पुलिस कैदी को पकड़ने के लिए चेकपोस्ट बनाकर वाहनों की भी तलाशी कर रही है।

जिला अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया था विचाराधीन कैदी को।

कुकदूर पुलिस ने विचाराधीन कैदी सन्नी चौरसिया को करीब 12 दिन पहले नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोप में पकड़ा था। इसके बाद से ही वह कवर्धा जेल में बंद था। फिलहाल कैदी की तलाश के लिए जगह-जगह नाकाबंदी की गई है। बॉर्डर इलाकों पर भी पुलिस की नजर है।

इधर पुलिस ने आरोपी पर 5 हजार रुपए का इनाम का घोषणा किया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जिस किसी को भी ये बंदी दिखे, तत्काल उसकी सूचना पुलिस को दें। आरोपी के खिलाफ कुकदूर थाने में ढ्ढक्कष्ट की धारा 363, 366, 376(2)ह्र, 342, पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। सन्नी चौरसिया मूल रूप से सारंगपुर, थाना फतेहाबाद, जिला आगरा (यूपी) का निवासी है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने फेसबुक से कुकदूर थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग लड़की से पहले दोस्ती की, फिर शादी का झांसा देकर उसे घर से भगाकर ले गया था। नाबालिग के परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। अभी वो न्यायिक हिरासत में कवर्धा जिला जेल में बंद था।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

भिलाई में सड़क किनारे से वाहनों को हटाने का अभियान तेज, वसूला गया 26000 रुपए जुर्माना

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में सड़क किनारे रखे हुए अव्यवस्थित वाहनों को हटाने का अभियान तेज हो गया है। चंद्रा मौर्या चौक के पास की कई वाहनों को आज भिलाई निगम एवं यातायात पुलिस विभाग की टीम ने मिलकर हटाने की कार्रवाई की। इस क्षेत्र में अव्यवस्थित वाहनों के होने के कारण आवाजाही में परेशानियां लोगों को होती थी, जिसे क्लियर किया गया। कुछ वाहनों की इस दौरान जब्ती भी बनाई गई और वाहन मालिकों को दोबारा गाड़ी नहीं रखने की समझाइश देते हुए वाहन मालिकों से 26000 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। यातायात विभाग के अधिकारी तथा निगम से सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम के अगुवाई में कार्रवाई को अंजाम दिया गया। उल्लेखनीय है कि निगमायुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर सड़कों के किनारे रखे हुए बेतरतीब वाहनों को हटाने का अभियान वृहद स्तर पर चलाया जा रहा है। संयुक्त अभियान में वाहनों को हटाने के लिए जेसीबी, डंपर जैसे संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। कई सारे कबाड़ वाहनों को ठिकाने लगाया जा चुका है तथा छोटे बड़े सभी वाहन जो अव्यवस्थित तरीके से रखे हुए होते है उन्हें भी हटाया जा रहा है। वाहनों को हटाने के अभियान को देखते हुए कई लोग स्वयं से अपने वाहनों को हटाने लगे हैं। फिर भी जो नहीं हटा रहे हैं उन पर कार्रवाई की जा रही है। नेशनल हाईवे सड़क के किनारे से वाहनों को हटाने का अभियान विगत तीन-चार दिनों से जारी है।

कलेक्टर ने की धान खरीदी की समीक्षा की, लगातार मानिटरिंग के दिये निर्देश

दुर्ग। जिले में एक नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी के माध्यम से अब तक दस हजार मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदी हो चुकी है। खरीदी की व्यवस्था बढ़िया हो, इसके लिए लगातार मानिटरिंग की जा रही है। आज कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने धान खरीदी की स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि 94 धान खरीदी केंद्रों में 90 केंद्रों में किसान धान बेचने पहुंच चुके हैं। शेष चार केंद्रों में भी खरीदी की पूरी व्यवस्था है अभी किसानों ने यहां टोकन नहीं लिया है। बुधवार तक 3109 किसान धान बेच चुके थे और इनका 10 हजार 269 मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। इसका परिवहन भी आरंभ कर दिया गया है। कलेक्टर ने शीघ्र उठाव आरंभ करने को लेकर खाद्य विभाग के अधिकारियों की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि इसी तरह से बढ़िया व्यवस्था रखिये। बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था हो। समय पर उठाव होता रहे। अधिकारियों ने बताया कि हर दिन हो रही धान खरीदी के आधार पर बारदाने की व्यवस्था पर समीक्षा की जाती है। जिले में पर्याप्त बारदाने का प्रबंध कर लिया गया है और किसी तरह की दिक्कत नहीं है।

चंदुलाल चंद्राकर मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में 150 चिकित्सा छात्रों की होगी भर्ती

भिलाई। चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय को कल शाम राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी), दिल्ली द्वारा शिक्षा सत्र 2022-23 के लिए 150 चिकित्सा छात्रों की भर्ती के लिए अनुमति मिल गयी है। इस चिकित्सा महाविद्यालय मे बाह्यरोगी विभाग (ओपीडी) प्रारम्भ की जा चुकी है और अतिशीघ्र यहाँ आपात कालीन चिकित्सा व भर्ती एवं ऑपरेशन की निःशुल्क सेवाएं प्रारम्भ कर दी की जायेंगी। यह प्रदेश का एक ऐसा चिकित्सा महाविद्यालय हैं जो आम जनता में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए लगातार कार्यक्रम और कैंप का आयोजन कर रहा है इसके तहत विगत एक माह मे इस संस्थान नें कुरुद, ननकट्ठी, जेवरा सिरसा, बैकुंठ धाम, वैशाली नगर, नगपुरा, कचांदुर और कोहका में कई शिविर लगाए जिसमें लगभग 2000 से अधिक मरीज़ों को स्वास्थ्य सम्बंधित परामर्श मिला व दवाइयाँ भी वितरित की गयीं।

भिलाई में सेंट्रल स्कूल खुलने की जगी आस, शहर के बीच में खोलने की मांग

पार्षद दया सिंह की मांग पर केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार को भेजा पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एजुकेशन हब भिलाई में भी केन्द्रीय विद्यालय (Central School) खुलने की आस जगी है। भाजपा पार्षद दया सिंह की मांग पर केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार को पत्र भेजा है। इसके साथ ही केन्द्रीय विद्यालय शुरू होने की कवायद तेज हो गई है। भाजपा पार्षद ने भिलाई शहर के लिए खुर्सीपार में केन्द्रीय विद्यालय खोलने की मांग की है।

बीते 27 मई 2022 को भाजपा पार्षद और बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंह ने मांग की थी कि खुर्सीपार में केंद्रीय विद्यालय होना चाहिए। इसके लिए वे पिछले दिनों दिल्ली दौरे पर थे। दया सिंह ने केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर कई बिंदुओं पर चर्चा की थी। इसमें सबसे प्रमुख बिंदू खुर्सीपार में केंद्रीय विद्यालय शुरू करने की थी।

दया सिंह ने खुर्सीपारवासियों के लिए यह डिमांड की थी। केंद्रीय राज्य शिक्षा मंत्री सुभाष सरकार को दिए ज्ञापन में पूरी बातों का जिक्र किया था। उस मांग पर कागजी कार्रवाई शुरू हो गई है। केंद्रीय राज्य शिक्षामंत्री के अतिरिक्त निज सचिव उज्जवल कुमार ने राज्य सरकार को पत्र भेजा है। कलेक्टर को भी यह पत्र भेजा गया है। जिला शिक्षा विभाग की ओर से कार्रवाई भी शुरू हो गई है। 8 बिंदुओं पर जो मापदंड होने चाहिए, उसे पूरी करने के लिए कहा गया है। अब कलेक्टर की ओर से जमीन की तलाश की जाएगी।

एजुकेशन हब भिलाई में जरूरी है केंद्रीय विद्यालय

पार्षद दया सिंह ने कहा है कि भारत सरकार की सबसे बड़ी यूनिट भिलाई स्टील प्लांट, दुर्ग जिले के भिलाई शहर में स्थित है। भिलाई स्टील प्रबंधन लगातार अपने स्कूलों को बंद कर रहा है। अब तक 60 से ज्यादा स्कूल बंद हो चुके हैं। ऐसे में भिलाई शहर में शिक्षा को लेकर पालकों में असुविधा जैसी स्थिति निर्मित हो गई है। केंद्रीय संस्थान में कर्मियों की संख्या हजारों में होने की वजह से एक केंद्रीय विद्यालय की स्थापना दुर्ग जिले के भिलाई शहर के खुर्सीपार इलाके में होना चाहिए। केंद्रीय विद्यालय की डिमांड लंबे समय से हो रही है। ऐसे में सरकार की ओर से इस दिशा में बेहतर सकारात्मक पहल की जाए। ताकि शिक्षा की दिशा में हमारा भिलाई आगे बढ़ सके। इसके लिए हम सदैव आभारी रहेंगे।

सड़क हादसों के बाद पहुंचेंगे एसडीएम और एसडीओपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सड़क दुर्घटना होने पर एसडीएम और एसडीओपी घटनास्थल का मुआयना करेंगे। दुर्घटना किस परिस्थिति में हुई इसकी बारीक पड़ताल करेंगे और अपनी रिपोर्ट देंगे, ताकि समीक्षा कर दुर्घटना के लिए जिम्मेदार मानवीय अथवा तकनीकी त्रुटि को चिन्हांकित किया जा सके। संबंधित थानेदार और ट्रैफिक से संबंधित अधिकारी भी इसमें शामिल रहेंगे। यह निर्देश कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने अधिकारियों को दिये। बैठक में एसपी डा. अभिषेक पल्लव भी मौजूद थे।

एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि 59 बिन्दुओं का जा प्रतिवेदन दुर्घटना के बाद दिया जाता है। इन प्रतिवेदनों की समीक्षा से यह जानने में मदद मिलती है कि दुर्घटना किस वजह से अधिक हो रही है। कलेक्टर-एसपी ने हर महीने दुर्घटना में होने वाली मृत्यु के कारणों की गहन समीक्षा के लिए प्रत्येक प्रकरण में केस स्टडी बनाने के निर्देश दिये ताकि इस पर गहन विचार कर त्रुटियों को सुधारा जा सके। बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, एसडीएम विपुल गुप्ता, मुकेश रावटे, ट्रैफिक डीएसपी सतीश ठाकुर, डिप्टी कलेक्टर लवकेश ध्रुव, सीएमएचओ डा. जेपी मेश्राम, पीडब्ल्यूडी ईई अशोक श्रीवास, आरटीओ अधिकारी अनुभव शर्मा एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सेफ्टी आडिट से जुड़े अधिकारियों की ट्रेनिंग होगी

कलेक्टर ने कहा कि सेफ्टी आडिट के माध्यम से ऐसी जगहों को चिन्हांकित किया जाएगा जहां दुर्घटना की आशंका अधिक होती है। सेफ्टी आडिट टीम में निर्माण एजेंसी से जुड़े अधिकारी, पुलिस एवं रेवेन्यू के अधिकारी होंगे। सेफ्टी आडिट टीम की ट्रेनिंग होगी और उन्हें सड़क सुरक्षा से संबंधित उपकरणों के बारे में विशेष रूप से बताया जाएगा। साथ ही सड़क सुरक्षा को लेकर जुड़े तकनीकी बिन्दुओं से भी अवगत कराया जाएगा।

फिजियोथैरेपी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए स्टूडेंट्स फिर से कर सकेंगे आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। फिजियोथैरेपी स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश की इच्छा रखने वाले स्टूडेंट्स के लिए खुशखबरी है। संचालक चिकित्सा शिक्षा ने अंतिम तिथि निकलने के बाद एक बार फिर से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। 9 नवंबर को इसकी आखिरी तिथि निकल गई है लेकिन अब दोबारा 20 नवंबर के बाद फिर से ऑनलाइन आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू होगी।

संचालक चिकित्सा शिक्षा ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन में त्रुटि होने पर अभ्यर्थियों को केवल एक बार रिसेट एप्लीकेशन करने की सुविधा उपलब्ध होगी। अभ्यर्थियों द्वारा रिसेट एप्लीकेशन का चयन करने पर पुराना ऑनलाइन एप्लीकेशन फार्म कैंसल हो जायेगा एवं आवेदक नया ऑनलाइन आवेदन भर सकेंगे । रिसेट एप्लीकेशन शुल्क एक हज़ार रुपये ऑनलाइन जमा करना होगा।

प्रवेश प्रक्रिया हेतु नियम छत्तीसगढ़ चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं भौतिक चिकित्सा फिजियोथैरेपी स्नातक प्रवेश नियम 2018 का अवलोकन किया जा सकता है। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया ,काउंसलिंग, आवंटन इत्यादि से संबंधित जानकारी के लिए वेबसाइट www.cgdme.co.in का नियमित अवलोकन करें तथा निजी फिजियोथेरेपी महाविद्यालय में आबंटन संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा गठित समिति द्वारा किया जायेगा।

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु नीट में सम्मिलित सभी पात्र है तथा इस पाठ्यक्रम हेतु कोई न्यूनतम अर्हताकारी अंक की बाध्यता नही है। ऐसे आवेदक जिन्होंने पूर्व में प्रवेश वर्ष 2022 में एमबीबीएस या बीडीएस में ऑनलाईन आवेदन किया है को पुनः ऑनलाईन आवेदन शुल्क जमा करने की जरूरत नहीं है। ऐसे विद्यार्थी जिन्होंने ऑनलाईन पंजीयन से वंचित रह गए है वे विद्यार्थी दिनांक 20 नवबर 2022 के बाद ऑनलाइन पंजीयन कर सकते है।

भावी बाल वैज्ञानिकों ने जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में दिखाई प्रतिभा, रिसर्च से बताया समाधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला स्तरीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में भावी बाल वैज्ञानिकों ने अपनी प्रतिभा का एक बार फिर लोहा मनवाया। गुरुवार को यह प्रतियोगिता महावीर जैन स्कूल में आयोजित की गई। जिसमें दुर्ग जिले के 88 बाल वैज्ञानिकों ने भाग लिया। सीनियर ग्रुप से 74, जूनियर ग्रुप से 14 बाल वैज्ञानिकों ने भाग लिया। बाल वैज्ञानिकों ने स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारितंत्र को समझना मुख्य विषय के तहत अपना शोधकार्य पॉवर प्वाइंट, चार्ट व पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता का उपकथानक अपने परितंत्र को जानना, स्वास्थ्य पोषण और कल्याण को बढ़ावा देना, पारितंत्र और स्वास्थ्य के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाएं , आत्मनिर्भरता के लिए पारितंत्र आधारित दृष्टिकोण पारितंत्र और स्वास्थ्य के लिए तकनीकी नवाचार जैसे विषयों पर आधारित था। इसके तहत विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक विधि का अनुसरण करते हुए आस-पास के परिवेश में निहित सामाजिक समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान प्रस्तुत किया। राज्य में यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के माध्यम से प्रत्येक जिले में आयोजित किया जाता है।

ये बने विजेता

प्रथम पुरस्कार
धात्री देवी साहू (ग्रुप लीडर)
लक्ष्मी साहू (ग्रुप मेंबर)
शाला का नाम-शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेवरा सिरसा
मार्गदर्शक शिक्षिका सपना सोनी

द्वितीय पुरस्कार
प्रियांश भादुड़ी (ग्रुप लीडर)
अनमोल मालवीय (ग्रुप मेंबर)
डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-2 भिलाई
मार्गदर्शक शिक्षक -अजय शर्मा

तृतीय पुरस्कार
दामिनी कुंभकार (ग्रुप लीडर)
मोनिका साहू ((ग्रुप मेंबर)
मार्गदर्शक शिक्षक- सपना सोनी
कनिष्ठ द्यमूह -नेमीचंद साहू (ग्रुप लीडर), साहिल पांडे (ग्रुप लीडर)

पार्श्वनाथ धाम रिसाली में श्री 1008 पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्वशांति महायज्ञ महा महोत्सव

गर्भ कल्याणक दिवस पर आचार्य ने बताया जिनेंद्र वाणी में रचना का सार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पार्श्वनाथ धाम रिसाली में श्री 1008 पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्वशांति महायज्ञ महा महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। इस मौके पर परमपूज्य आचार्य 108 श्री विशुद्ध सागर महाराज ने अपने अमृत वचनों का शुभारंभ करते हुए हाथ जोड़कर ओम नमः अनंतानंद अंतिम तीर्थेश वर्धमान तीर्थंकर स्वामी के जिन शासन की जिनेंद्र वाणी में रचना का सार बताया।

पार्श्वनाथ धाम रिसाली में श्री 1008 पंचकल्याणक महा महोत्सव के गर्भ कल्याणक दिवस पर आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने वर्धमान स्वामी के जीनशासन में तीर्थंकर की देशना का संदेश बताते हुए कहा कि धर्म एक रसायन है और जिसने धर्म के इस रसायन को जान लिया वह मोक्ष को पा जाता है। उन्होंने कहा कि जीव तत्व रसायन है अजीव तत्व रसायन है। जीव अजीव की जो रासायनिक क्रिया है वही आश्रव तत्व है इसे समझना चाहिए। जीव अजीव की जो रासायनिक क्रिया है उससे आश्रव होता है। शुद्ध जीव कर्म शून्य है आश्रव विहीन होता है शुद्ध जीव चैतन्य होता है।

आकाश में फैली हुई है दिगंबर मुद्रा

आचार्य विशुद्ध सागर महाराज ने कहा कि हल्दी में चूने को मिलते हुए तो रक्त वर्ण को तो दुनिया ने देखा है इच्छित वस्तु के ना मिलने पर अनिश्चित वस्तु के मिलने पर रक्त वर्णित आंखों को भी देखो। दिगंबर मुद्रा कपड़ों में लपेटी हुई नहीं है यह आकाश में फैली हुई है। आचार्य ने कहा कि छोटे-मोटे भाव तो कोई भी कर सकता है लेकिन जिन मुद्रा के लिए दिगंबर मुद्रा से बढ़कर कोई बड़ी संपत्ति दिखाई नहीं देती है। मुनि बनकर मुनि भक्त बोल रहा है आज इस धरती पर वीतराग देवता से बढ़कर दूसरी कोई संपत्ति नहीं है।

हम सब झूठा जीवन जी रहे हैं

आचार्य श्री ने कहा कि प्रकाश तो प्रकाश है। चूड़ियां अनेक रंग की होती है चूड़ियों की मैचिंग अनुसार भाव की मैचिंग आप कर रहे हैं लेकिन आश्रव जो होता है वह कर्म होता है। ब्राह्मणी के पुत्र के संबंध में व्याख्या करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि हम सब झूठा जीवन जी रहे हैं और अपने कर्मों की झूठी मैचिंग में जी रहे हैं। आप अपने परिणामों में श्रद्धा रखते हुए अपनी अंतरात्मा में निर्मल भाव के साथ सात्विक भावों की मैचिंग के साथ बगैर किसी झूठे दिखावे और राग द्वेश के जीवन जीना चाहिए, उसी में श्रेष्ठता है।

इससे पहले आज गर्भ कल्याणक के दिवस पर श्री पार्श्वनाथ धाम के पंचकल्याणक महोत्सव में आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के सत्संग मंगल सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य श्री सरस जी बैतूल ने मंत्रोच्चार करते हुए प्रातः 6:30 बजे जिनआज्ञा ,गुरु आज्ञा और भव्य घट यात्रा के साथ, ध्वजारोहण दुर्ग महापौर भाई धीरज बाकलीवाल ने ससनिक आचार्य श्री को श्रीफल अर्पण करते हुए मंगल दीप प्रज्वलन कर अहिंसा परमो धर्म की जयकारा के साथ सैकड़ों भक्तों के मध्य भक्ति भाव के साथ किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठा मंडप उद्घाटन, मंडप शुद्धि अभिषेक शांतिधारा और आचार्य श्री विशुद्ध सागर महाराज जी के मंगल प्रवचन पश्चात सरलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा मंडल प्रतिष्ठा दोपहर में महायाग मंडल आराधना और भव्य पंडाल में माता की गोद भराई का धर्म आयोजन हुआ। जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने माता की गोद भराई कर धर्म लाभ लिया।

इस अवसर पर प्रभात जैन,महामंत्री प्रमेंद्र जैन, प्रचार प्रसार प्रभारी प्रदीप जैन बाकलीवाल भागचंद जैन एवं भिलाई दुर्ग जैन समाज के अनेक विशिष्ट धर्म प्रेमी की उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से रायपुर के नरेंद्र जैन, गुरु कृपा, राजेश जैन, विजय जैन, कजोड़ मल जैन, किशोर बड़जात्या, इंदर चंद बाकलीवाल, जिनेंद्र जैन, कमल पाटनी, निशांत जैन, डॉक्टर आरके जैन, संजीव जैन, संजय चतुर, राकेश छाबड़ा, महावीर पाटनी, नेमीचंद बाकलीवाल, दिनेश जैन, अमित गोधा, भरत बाकलीवाल, अरुण बाकलीवाल, सचिन जैन, महेंद्र जैन, महावीर गंगवाल, ज्ञानचंद पाटनी, भारत जैन, अजीत जैन, कमलेश जैन, सुरेश जैन आदि के साथ सैकड़ों माता बहनों ने धर्म लाभ लिया।

जनता ने भाजपा को उखाड़ा, अब हुंकार...

भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का दावा किया है। महतारी हुंकार रैली से पहले युवा मोर्चा की मशाल रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह आग तभी बुझेगी जब हम कांग्रेस की सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। बेचारे को यही नहीं पता कि सरकारों को पार्टी नहीं, जनता उखाड़ कर फेंकती है। ज्यादा पुरानी बात नहीं है, जनता ने भाजपा की 15 साल पुरानी सरकार को ऐसे उखाड़ा था जैसे कोई खेत से खरपतवार उखाड़ता है। वैसे भी इस तरह की बातें कौन करता है। बदले की आग वाली भाषा तो राजपूत और ठाकुर बोला करते थ। कम से कम हिन्दी फिल्मों में तो हमने यही देखा है। पिछले विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़ ताजा-ताजा बालिग हुआ था। 18 साल का छत्तीसगढ़ ऊब गया था, एक ही चेहरा और एक जैसी बातें सुन-सुन कर। उधर मोदी जी के नेतृत्व में देश-भर में भ्रष्टाचार के खिलाफ आंधी चली और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार सोलह साल की होने से पहले ही उड़ गई। दरअसल, राजनीति की यही बीमारी है। अच्छी भली चल रही सरकार के खिलाफ कोई रचनात्मक आंदोलन खड़ा करने की बजाय शिगूफेबाजी का दामन थाम लिया जाता है। एक से एक नाम तलाशे जाते हैं। नया शिगूफा है 'महतारी हुंकार रैली' का। देश जानता है कि जिसकी जेब में पैसा होता है वह भीड़ इकट्ठा कर ही लेता है। इसके लिए भी स्पेशलिस्ट सेवाएं होती हैं। ट्रक, ट्रैक्टर, ट्रेलर में भर कर कृषि मजदूरों को उठा लाते हैं। सोशल मीडिया पोस्ट के इस दौर में शहरी शौकीन भी इससे जुड़ जाते हैं। माहौल तो बनता है पर रिजल्ट नहीं आता। ऐसा नहीं है कि छत्तीसगढ़ में सबकुछ सही चल रहा है। पर यह भी मानना पड़ेगा कि योजनाएं बहुत अच्छी बन रही हैं। गांधी जी से लेकर कलाम साहब तक के सपनों का भारत गढ़ने की दिशा में छत्तीसगढ़ पहलकदमी कर रहा है। पर यह सबके सहयोग के बिना संभव नहीं है। यह सहयोग रचनात्मक और आलोचनात्मक दोनों हो सकता है। पर अपने यहां भीड़तंत्र को ही लोकतंत्र मान लिया गया है। स्मृति ईरानी, रेणुका सिंह जैसे नेता छत्तीसगढ़ आने वाले हैं। वे शांत छत्तीसगढ़ की फिजां में जहर घोलने की कोशिश करेंगी। देश भूल जाएगा कि नोटबंदी की मार जनता ने सही और रसूखदारों की तिजोरियां अब भी नोटों के बंडल उगल रही हैं। जिसे कम करने का वायदा कर केन्द्र में उनकी सरकार आई वही महंगाई आज अपने चरम पर है। महिलाओं के खिलाफ अपराध अकेले छत्तीसगढ़ में नहीं बल्कि पूरे देश में बढ़ रहे हैं, वहां भी जहां भाजपा की सरकारें हैं। हरियाणा के छाबला, यूपी के गाजियाबाद, फरीदाबाद के बल्लभगढ़, मध्यप्रदेश के सीधी और खंडवा, पश्चिम बंगाल के ऊलूबेड़िया में पिछले एक साल के भीतर 'निर्भया कांड' जैसी दिरन्दगी हुई, तब क्या इन नेताओं का गला बैठा हुआ था?

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950